बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला
हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें
मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 118 | शुक्रवार 18 अगस्त 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

इंडिया गठबंधन में घमासान ? दिल्ली से मुंबई तक छिड़ा संग्राम, बिहार में भी असमंजस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के विजयी रथ को रोकने के लिए कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों ने मिलकर हाल ही में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस का गठन किया है। इसकी दो बैठकें हो चुकी हैं। तीसरी बैठक 31 अगस्त से मुंबई में होने वाली है। हालांकि, इस बैठक से पहले सहयोगियों के बीच घमासान मचा हुआ है। दिल्ली में जहां अरविंद केजरीवाली की आम आदमी पार्टी (कक्क) से ठन चुकी है। वहीं, महाराष्ट्र में शरद पवार और अजित पवार की गुप्त मीटिंग ने भी कांग्रेस की धड़कनें बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दिल्ली दौरा और अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि स्थल पर जाना चौंकाने वाला कदम है।

इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी (आप) के साथ नई दोस्ती कांग्रेस की दिल्ली यूनिट का रास नहीं आ रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधियों ने इसे स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने आलाकमान के सामने अरविंद केजरीवाल की पार्टी के प्रति अपना विरोध जोरदार ढंग से रखा है। साथ ही

दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर कांग्रेस के चुनाव लड़ने की वकालत भी कर दी है।

दिल्ली कांग्रेस का केजरीवाल सरकार पर पलटवार

एआईसीसी प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा, बैठक में मौजूद दिल्ली कांग्रेस के पदाधिकारी के एक ही विचार के थे कि दिल्ली दिशाहीन हो गई है क्योंकि आप सरकार ने 15 साल की शीला दीक्षित सरकार द्वारा किए गए सभी अच्छे कार्यों को खत्म कर दिया है। पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए काम को आप सरकार और एलजी के शासन ने बर्बाद कर दिया है। इसलिए, दिल्ली कांग्रेस के नेताओं ने नेतृत्व को बताया है कि पार्टी को इन दोनों पार्टियों (आप और बीजेपी) की जनविरोधी नीति का विरोध करना चाहिए।

2025 में सीएम नहीं बनेंगे केजरीवाल

इतना ही नहीं, कांग्रेस नेता अनिल चौधरी ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए यहां तक कह दिया कि 2025 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री नहीं होंगे। उन्होंने दावा किया कि 2024 में भी दिल्ली में कांग्रेस की शानदार जीत होगी। कांग्रेस नेताओं के बयान से गठबंधन में दरार के साफ संकेत मिलते हैं।

'आप' का भी पलटवार

आम आदमी पार्टी ने हालांकि ऐसे बयान देने वाले कांग्रेस नेताओं पर पलटवार किया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीट शेयरिंग पर इंडिया गठबंधन के घटक दल आपस में बैठकर चर्चा करेंगे। ये बहुत छोटे-छोटे नेता हैं। इनमें से कई के जमानत भी जब्त हो चुके हैं। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, आप की नजर कांग्रेस नेताओं के बयानों पर है। एक नेता ने यह भी कहा है कि अगर कांग्रेस ने सभी सात सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बना लिया है तो मुंबई की बैठक में जाने का क्या फायदा।

शरद पवार ने बढ़ाई कांग्रेस की परेशानी

अब बात महाराष्ट्र की। वहां के राजनीतिक गलियारों में शरद पवार के एनडीए में शामिल होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा था कि एनसीपी के दिग्गज नेता शरद पवार या उनकी बेटी सुप्रिया सुले को केंद्रीय कैबिनेट में जगह की पेशकश की गई है। हालांकि, शरद पवार ने बाद में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। लेकिन जानकारों का मानना है कि शरद पवार को लेकर कुछ भी अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल है। इस बात के संकेत इससे भी मिल रहे हैं कि एनसीपी से बगावत करने के बाद भी अजीत पवार अपने चाचा से लगातार मिल रहे हैं। इतना ही नहीं, कानून लड़ाई भी काफी धीमी हो चुकी है।

प्रधानमंत्री ने प्रख्यात वैज्ञानिक वी.एस. अरुणाचलम के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को प्रख्यात वैज्ञानिक और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वी.एस. अरुणाचलम के निधन पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने अरुणाचलम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके निधन से वैज्ञानिक समुदाय में एक बड़ा खालीपन आ जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट संदेश में कहा, डॉ. वी.एस. अरुणाचलम का निधन वैज्ञानिक समुदाय और रणनीतिक दुनिया में एक बड़ा खालीपन छोड़ गया है। उनके ज्ञान, अनुसंधान के प्रति जुनून और भारत की सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में समृद्ध योगदान के लिए उनकी बहुत प्रशंसा की गई। उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि पूर्व डीआरडीओ प्रमुख 87 वर्ष के थे। उनके परिवार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उनका अमेरिका के कैलिफोर्निया में निधन हो गया।

मणिपुर में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण, तलाशी अभियान में 8 हथियार और 112 गोला-बारूद किए गए बरामद

इंफाल। मणिपुर में अभी भी अशांति का माहौल बना हुआ है। सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान के दौरान हिंसा प्रभावित मणिपुर के विभिन्न जिलों से आठ आग्नेयास्त्र और 112 राउंड गोला-बारूद बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बलों ने छह विस्फोटक भी जब्त किये। पुलिस ने एक बयान में कहा कि ये बरामदगी बुधवार को बिष्णुपुर, चुराचांदपुर, तेंगनौपाल, कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम जिलों से की गई। इसमें कहा गया, गोलीबारी की छिटपुट घटनाओं और प्रदर्शनकारियों के एकत्र होने से राज्य में स्थिति तनावपूर्ण है। इसके अलावा, टेंग्नौपाल जिले में छह बंकरों को नष्ट कर दिया गया है।

दिल्ली में पूरी हो सकती है आप की 'मुराद', सर्वे में केजरीवाल के लिए क्या खुशखबरी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में करीब 7 महीने का समय बच गया है। 26 दलों के 'इंडिया' गठबंधन और एनडीए के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद है। देश की तरह दिल्ली की 7 सीटों पर भी नजरें टिकी हुई हैं। पिछले दो लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजधानी की सभी सीटों को क्लीन स्वीप किया है। पिछले दस साल में दो बार विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) अपने सबसे बड़े गढ़ में लोकसभा चुनाव में खाता नहीं खोल पाई है। इस बीच, एक ताजा सर्वे में भविष्यवाणी की गई है कि इस बार 'आप' की मुराद पूरी हो सकती है। एक न्यूज चैनल की ओर से बुधवार को प्रसारित ताजा सर्वे के मुताबिक इस बार कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ने से दिल्ली में 'आप' का खाता खुल सकता है। इंडिया गठबंधन को 1-2 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि, दोनों दलों के साथ लड़ने की सूरत में भी भाजपा का दबदबा कायम दिख रहा है। भगवा कैंप को 5-6 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गई है। इससे पहले आए दो सर्वे में भी दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की पार्टी को 1-2 सीटें मिलने की बात कही गई है।

किसको कितना वोट

ताजा सर्वे की मानें तो एनडीए को दिल्ली में 52.30 फीसदी वोट मिल सकते हैं। वहीं, आप और कांग्रेस को साझा रूप से 44.90 फीसदी वोट मिलने की भविष्यवाणी की गई है। अन्य के खाते में 2.80 फीसदी वोट जा सकते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में दिल्ली में आप को महज 18 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा ने 56.58 फीसदी वोट शेयर पर कब्जा किया

था।

लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार

ईटीजी टाइम्स नाउ नवभारत के सर्वे के मुताबिक देश में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बन सकती है। पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए को 296-326 सीटें मिल सकती हैं। 26 दलों वाले 'इंडिया' गंठबंधन को 160-190 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। वाईएसआरसीपी को 24-25, बीआरएस को 9-11, बीजेपी को 12-14 और अन्य को 11-14 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है।

जानवरों के अंग भी होंगे ट्रांसप्लांट?

सुअर की किडनी इंसान के शरीर में एक महीने से कर रही काम

नई दिल्ली। क्या भविष्य में जानवरों के अंगों को मानव शरीर में ट्रांसप्लांट किया जा सकेगा? प्रत्यारोपण के लिए अंगों की कमी को देखते हुए अकसर यह सवाल पूछा जाता है और इसका जवाब हां भी हो सकता है। दरअसल हाल ही में न्यूयॉर्क में डॉक्टरों की एक टीम ने सुअर की किडनी मानव शरीर में डाल दी, जो बीते एक महीने से सामान्य ढंग से काम कर रही है। इससे मेडिकल साइंस में एक नई क्रांति की उम्मीद जगी है। यह प्रत्यारोपण ब्रेन डेड शरीर में किया गया है। जानवरों के अंगों से मानव जीवन को बचाने की कोशिश के तहत यह एक बड़ा प्रयोग माना जा रहा है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी ने इस एक्सपेरिमेंट के बारे में जानकारी दी। शोधकर्ताओं का कहना है कि वह

एक और महीने तक देखेंगे कि आखिर अल्बेट नाम के मृत व्यक्ति के शरीर में वह किडनी कैसे काम करती है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के ट्रांसप्लांट इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर डॉ. रॉबर्ट मॉन्टगोमरी ने बताया, क्या यह मनुष्य के अंग के तौर पर ही काम कर रहा है? अभी तक तो ऐसा ही लगता है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि सुअर की लगाई किडनी तो मनुष्य के अंग से भी ज्यादा बेहतर ढंग से काम कर रही है। डॉक्टर ने बताया कि 14 जुलाई को अल्बेट के शरीर से उनकी वास्तविक किडनी को निकालकर सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। इसके तुरंत बाद देखा गया कि यह किडनी काम कर रही थी और यूरिन का प्रॉसेस जस का तस था। इससे यह संभावना पैदा हुई है कि प्रत्यारोपण के लिए मानव अंगों की कमी सुअर की किडनी से पूरी की जा सकती है। ब्रेन डेड अल्बेट की बहन ने कहा कि मेरे भाई चाहते थे कि वह दुनिया की मदद करें। इसलिए हमने उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए उनके शरीर को प्रयोग के लिए डोनेट किया। उन्होंने कहा कि वह तो अब मेडिकल की किताबों में जगह पाएंगे और हमेशा जिंदा रहेंगे। दशकों से वैज्ञानिक जानवरों के अंगों को मानव शरीर में प्रत्यारोपित करने के प्रयास करते रहे हैं, लेकिन असफलता हाथ लगी है। अब शोधकर्ता जेनेटिकली मोडिफाइड सुअरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस ट्रायल ने उन्हें सफलता की एक किरण दिखाई और इस दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

उदयपुर के 13 निशानेबाजों का राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में चयन

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर के 13 होनहार निशानेबाजों का राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है।

कोच प्रवीणसिंह ने बताया कि पिछले दिनों जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में प्रदेश के 5500 निशानेबाजों ने भाग लिया,जिसमें उदयपुर स्थित द लीजेंड शूटिंग रेंज के 18 निशानेबाजों ने भी भाग लिया। उसमें से शहर के 13 निशानेबाजों का चयन राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता के लिए हुआ। सिंह ने बताया कि पिछले 1 वर्ष से कड़ी मेहनत और लगन से सभी विद्यार्थियों ने यह मुकाम हासिल किया। द लीजेंड शूटिंग रेंज

के निदेशक गजेंद्र सिंह राणावत ने इन खिलाड़ियों को विशेष कोचिंग प्रदान की है।

उन्होंने बताया कि चयनित निशानेबाज में महिला वर्ग में कृष्णा, जयश्री राठौर, साक्षी राजपूत, पूर्णिमा मिश्रा तथा अक्षिता शर्मा तथा पुरुष वर्ग में आशीष सिंह, जयेश बागड़ी, कुलश्रेष्ठ गोस्वामी, हर्षवर्धन राठौर, शिव राज सिंह, ध्रुव पोरवाल, नीतीश सेवरिया तथा मनन गुप्ता का चयन हुआ।

अफसरों की ड्रेसिंग पर टिप्पणी और बेवजह पेशी पर बुलाने से बचें जज, सरकार ने बनाई आचार संहिता

नई दिल्ली। सरकारी अधिकारियों को अदालत में व्यक्तिगत तौर पर पेशी से बचाने के लिए केंद्र सरकार एक प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इसके तहत जजों के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर का ड्राफ्ट तैयार किया गया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तावित किया गया है। इसके तहत जजों से कहा जाएगा कि वह बेहद अहम मामलों में ही सरकारी अफसरों को निजी तौर पर पेशी के लिए बुलाएं। इसके अलावा अफसरों को नोटिस देते समय यह भी बताएं कि उनकी हाजिरी क्यों जरूरी है। यही नहीं यदि संभव हो तो पेशी के लिए उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का विकल्प देना चाहिए। सरकार का कहना है कि उसने ऐसा प्रस्ताव इसलिए तैयार किया है ताकि अदालत की अवमानना के मामलों को सीमित किया जा सके। इसके अलावा सरकारी अफसरों के वक्त की बर्बादी को रोकना भी इसका एक मकसद है। उत्तर प्रदेश में हाल ही

में एक मामला सामने आया था, जब दो अफसरों के हाई कोर्ट में पेश न हो पाने पर उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की गई थी। इसके तहत हाई कोर्ट ने दो वरिष्ठ अधिकारियों को अरेस्ट करने का ही आदेश दे दिया था। इसी को मद्देनजर सरकार जजों के लिए एसओपी तैयार कर रही है। सरकार की ओर से तैयार एसओपी का ड्राफ्ट अदालत को सौंपते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट या फिर उच्च न्यायालयों में अहम मामलों में ही तलब करना चाहिए। ऐसा तभी होना चाहिए जब पॉलिसी से जुड़े मामले में उनकी जरूरत हो या फिर अवमानना का ही केस हो। यही नहीं उन्होंने अदालतों में अफसरों को अपमानित किए जाने की घटनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कई बार सही ड्रेस न पहने होने को वजह बताते हुए अफसरों को अपमानित किया गया। यह गलत है। कोई भी अफसर अदालत का कर्मचारी नहीं है। ऐसे में उनकी ड्रेसिंग पर सवाल नहीं उठाने चाहिए।

अफसरों पर जजों को टिप्पणी भी न करने की नसीहत

सओपी में जजों को सलाह दी गई है कि वे सरकारी अफसरों की ड्रेसिंग और उनके शैक्षणिक एवं सामाजिक बैकग्राउंड पर टिप्पणी न करें। तुषार मेहता ने कहा कि सरकारी अफसर अदालत के कर्मचारी नहीं होते। इसलिए उनकी ड्रेस को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। बता दें कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की ओर से दो अफसरों को गिरफ्तार करने का आदेश दिए जाने के बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई थी। वहां चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी। इ

सके साथ ही केंद्र सरकार से कहा था कि वह जजों के लिए एक एसओपी भी तैयार करे।

यूपी के इस मामले के बाद तैयार हुई SOP

दरअसल उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जजों को सुविधाएं मुहैया कराने के आदेश पर अमल न किए जाने पर कोर्ट ने यूपी के वित्त सचिव और विशेष वित्त सचिव की गिरफ्तारी का ही आदेश पारित कर दिया था। इसी मामले के बाद एसओपी तैयार की गई है। इसमें कहा गया है कि सरकारी अफसरों को बेहद जरूरी होने पर ही पेशी के लिए बुलाया जाए।

कार के बोनट पर लटकी महिला, 500 मीटर तक घसीटता रहा ड्राइवर

हनुमानगढ़। राजस्थान के हनुमानगढ़ से एक खौफनाक वीडियो सामने आया है। यहां एक कार ड्राइवर ने बीच बाजार महिला को कई मीटर तक घसीटा। इस दौरान लोग महिला को बचाने के लिए दौड़े लेकिन ड्राइवर ने कार नहीं रोकी। यह पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल कार चालक और महिला के बारे में कोई जानकारी नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

क्या है मामला

हनुमानगढ़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक कार ड्राइवर महिला को बोनट पर करीब 500 मीटर तक घसीटते हुए नजर आ रहा है। महिला को बचाने के लिए कई लोग कार के पीछे भागते दिख रहे हैं, लेकिन ड्राइवर ने अपनी गाड़ी नहीं रोकी। पुलिस ने बताया कि कथित घटना बुधवार दोपहर हनुमानगढ़ के मेन बस स्टैंड के पास घटित हुई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

अज्ञात के खिलाफ केस

पुलिस ने बताया कि कई सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद कार का नंबर स्पष्ट हो गया, जो रावला के किसी व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत है। पूरी घटना बस स्टैंड के आसपास लगे सीसीटीवी

कैमरों में कैद हो गई। पुलिस महिला और कार चालक की तलाश कर रही है। पुलिस पता लगाने

राजस्थान के हनुमानगढ़ से एक खौफनाक वीडियो सामने आया है। एक कार ड्राइवर ने बीच बाजार महिला को कई मीटर तक घसीटा।

की कोशिश कर रही है कि घटना के वक्त कार में कितने लोग सवार थे। महिला की तरफ से अभी कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

बीजेपी का गहलोत पर निशाना

इसी बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बुधवार को अपने एक्स, (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर घटना का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, सत्ता के संरक्षण में बदमाशों ने थामी अपराध की स्टेयरिंग! राजस्थान के हनुमानगढ़ में दिनदहाड़े बदमाश कार के बोनट पर एक महिला को घसीट रहे हैं। गहलोत जी, रोजाना सरेआम जब ऐसी वारदात महिलाओं के साथ हो रही हैं तो क्या आपको अंदाजा भी है कि पूरे राजस्थान में आपके कुशासन में महिलाओं का क्या हाल कर दिया है।

लोक आस्था का पर्व है बिहुला विषहरी

निमिषा सिंह

मान्यता है कि जब बिहुला इंद्रलोक की तरफ प्रस्थान कर रही थी तो उन्होंने विशाल नौका पर कई मंजिलों वाली मंजूषा बनवाई थी जिसे विविध चित्रों से सजाया गया था। आज भी अंग जनपद में प्रचलित मनसा विषहरी के चांदो सौदागर से पूजा लेने की लोकगाथा को ही चित्रों के माध्यम से घर नुमा मंजूषा पर उकेरा जाता है और विषहरी पूजा में चढ़ाया जाता है। अंग जनपद भागलपुर की मंजूषा लोक कला को कागज पर उकेरने की शुरूआत स्वर्गीय चक्रवर्ती देवी द्वारा प्रारंभ की गई जिन्होंने अंग क्षेत्र की एक अनाम लोक चित्रकला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

प्राचीन भारत के सोलह महाजनपदों में से एक अंगदेश (वर्तमान बिहार के भागलपुर, मुंगेर जिलों के आसपास का क्षेत्र) की राजधानी चम्पा में (वर्तमान में भागलपुर जिले के नाथनगर के चंपानगर) पौराणिक काल से चली आ रही बिहुला-विषहरी पूजा की परंपरा आज भी कायम है। केवल बिहार ही नही बल्कि झारखंड बंगाल उड़ीसा और आसाम के कुछ क्षेत्रों में भी बिहुला विषहरी की पूजा की जाती है। चंपा नगर इस पौराणिक मान्यता का उद्भव स्थल है। यहीं पर माता विषहरी को सती बिहुला के कारण ख्याति प्राप्त हुई। अंग देश महाभारत के यशस्वी पात्र दानवीर राजा कर्ण की धरती के नाम से जानी जाती है। चम्पा यानि मौर्य काल के सम्राट अशोक की माँ सुम्भाद्रांगी का स्थान। जैनियों के १२ वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य के पंचकल्याणक की चम्पा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व निदेशक एवं भागलपुर के एतिहासिक विषयों पर लिखने वाले शिवशंकर सिंह पारिजात कहते हैं कि बिहुला विषहरी की कहानी को बंगाल में मनसा मंगल काव्य में भी जाना जाता है। विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उत्खनन में धातु की बनी विषहरी की दो मूर्तियां भी मिली थीं। एन एल डे ने अपनी किताब एनसिएंट ज्योग्राफी ऑफ इंडिया में लिखा है कि विहुला विषहरी की घटना चंपानगर में घटित है। इसी चम्पा में ६ठी शताब्दी के आसपास विख्यात शिव भक्त चांदो सौदागर हुए जिनका प्रभुत्व एवं व्यापार चारो दिशाओं में फैला हुआ था। चंपा नगरी तब जलमार्ग के रास्ते व्यापार का केंद्र हुआ करती थी। कहा जाता है कि पूर्व काल (६ ठी शताब्दी पूर्व) में धरती पर शिव परिवार के साथ नागों की पूजा को सम्मान नहीं मिला था। इन्हीं नागों की अधिष्ठात्री देवी बिषहरी मनसा हैं। इनकी चार बहनें, मैं, दिति, जया और पद्मा थी। इन पांचो बहनों का आविर्भाव भगवान शिव की जटा से होने के कारण ये शिव की मानस कन्याएं सम्मिलित रूप से मनसा के नाम से चर्चित हैं। भगवान शिव की मानस पुत्री होने के बाद भी मनसा की पूजा शिव परिवार के तरह नहीं हो रही थी जबकि उनके परिवार के ही पार्वती गणेश कार्तिकेय भैरव नंदी आदि की पूजा हो रही थी। जिसकी वजह से मनसा बिषहरी असंतुष्ट रहती थी और इस समस्या को लेकर वो भगवान शिव के पास गयीं। शिकायत सुनकर शिव ने कहा- पृथ्वी पर चम्पापुरी में एक सौदागर चंद्रधर अर्थात चांदो सौदागर मेरे विख्यात एवं कट्टर भक्त हैं। सर्वप्रथम उसी सौदागर से तुम पूजा लो। अगर वह तुम्हे पूजा दे देगा तो तुम्हारी पूजा इस पृथ्वी पर शिव परिवार की तरह होने लगेगी। मनसा बिषहरी

चम्पापुरी के चांदो सौदागर के पास प्रगट हुईं और उस सौदागर से अपनी पूजा मांगी। लेकिन चांदो सौदागर ने पूजा देने की बजाय उनकी भर्त्सना कर डाली। परिणाम स्वरूप सौदागर के छह पुत्रों को मनसा-बिषहरी के कोपभाजन का शिकार होना पड़ा। सभी सर्प दंश के शिकार हुए। कट्टर शिव भक्त चांदो सौदागर फिर भी बिषहरी पूजा को तैयार नहीं हुए। कुछ समय बाद सौदागर को बाला लखीन्दर के रूप में 7वां पुत्र हुआ। बिषहरी के श्राप के अनुसार बाला लखीन्दर की मृत्यु सर्पदंश से सुहागरात के दिन सुनिश्चित थी। हठी सौदागर ने भगवान विश्वकर्मा का आह्वान कर लोहा बांस का एक ऐसे दुगेद्य भवन बनाने को कहा जिसमें सुरक्षा को लेकर कोई छेद न छोड़ने को कहा गया। इस बात का पता चलते ही विषहरी ने कारीगर को बुलाकर एक छोटी सी सुराग मकान की दीवार में छोड़ देने पर राजी कर लिया जिसे आसानी से देखा नहीं जा सकता था। बाला लखीन्दर का विवाह नवगछिया के पास उजानी गांव के बासु सौदागर की पुत्री बिहुला से हुआ। लोहा बांस के दुगेध्य भवन में बाला लखीन्दर अपनी नवोढा पत्नी बिहुला के साथ सुहाग रात में शयन-कक्ष में था। मध्य रात्रि में नागदंश का शिकार हो गया। जिस नागिन ने बाला लखिंदर को डसा वह बिहुला के ही बहन थी। नागदंश का शिकार होते ही बाला लखीन्दर के उपचार एवं सर्पदंश झाड़ के लिए चम्पापुरी के तद्युगीन वैद्य एवं ओझा धनोव्तर गुरु एवं केशो झारखंडी को बुलाया गया। लेकिन देवी बिषहरी ने उन्हें रोक दिया। फलस्वरूप तेज विष के कारण बाला लखीन्दर की मृत्यु हो गयी। मृत्युपरांत सती-साध्वी बिहुला पति के पुनर्जीवन के लिए संकल्प बद्ध हो विश्वकर्मा का आह्वान किया और विशाल नौका पर कई मंजिलों वाली मंजुषा बनवाई। उसे लहसन माली ने विविध चित्रों से सजाया। उसी मंजुषा पर बिहुला अपने पति के पार्थिव शरीर को लेकर चम्पापुरी से स्वर्ग के लिए जलमार्ग से प्रस्थान किया। जलमार्ग की विभिन्न आपदाओं एवं कठिनाइयों को पार करते हुए समुद्र सी फैली गंगा को पारकर बिहुला इन्द्रासन पहुँच गयी ।बिहुला ने अपने सतीत्व तेज एवं अकाल भक्ति नृत्य से भगवान इन्द्र को प्रसन्न कर लिया। भगवान इन्द्र ने उन्हें मनवांछित वर मांगने को कहा। बिहुला ने अपने पति समेत ६ वों ज्येष्ठों का जीवन दान को मांग लिया। भगवान इन्द्र ने सहर्ष उसकी मागें स्वीकार कर लीं। फिर क्या था- सातों भाई के साथ बिहुला चम्पापुरी अपने ससुराल लौटी जहां बिहुला का स्वागत हुआ। बिशहरी प्रकट हुई और बिहुला के समक्ष पुनःअपनी पूजा का प्रश्न रखा। बिहुला के ससुराल के सभी लोगों ने 'बिषहरी-मनसा' को पूजा देना स्वीकार कर लिया लेकिन चांदो सौदागर अपनी जगह अडिग रहा। उसकी घोषणा थी की मेरा दाहिना हाथ शिव की पूजा को ही अर्पित है इसलिए मैं पूजा-नमन मात्र भगवान शिव की ही करूँगा। सबों ने मिलकर हठी सौदागर को देवी बिषहरी मनसा की पूजा देने के लिए मना लिया। चांदो सौदागर ने हामी तो भरी लेकिन अपने बांयें हाथ से 'मनसा-बिषहरी' को पूजा के लिए फुल और नैवेद्य अर्पित किये। पूजा के लिए भव्य मनसा-बिषहरी मंदिर का निर्माण किया गया। कहा जाता है तभी से मनसा देवी की पूजा शिव की मानस कन्या के रूप में होने लगी। उसी वक्त बिषहरी ने बिहुला को आशीष दिया कि दुनिया कि सती नारियों में उसका स्थान सुरक्षित रहेगा और मनसा पूजा के साथ ही बिहुला भी पूजी जायेंगी। बिहुला (अंगिका में) या बेहुला (बांग्ला में) मध्यकालीन बांग्ला साहित्य में मनसा मंगल एवं इसी प्रकार के कई अन्य काव्यकृतियों की नायिका है। तेरहवीं से अट्ठारहवीं शती की अवधि में इस कथा पर आधारिक बहुत सी रचनाएं लिखी गई जिनका धार्मिक उद्देश्य मनसा देवी की महत्ता का प्रतिपादन करना था किन्तु ये कृतियाँ बेहुला एवं एवं उनके पति बाला लखिन्दर के पवित्र प्रेम के लिये अधिक जाने जाते हैं। बिहुला विषहरी पूजा से ठीक 1 माह पूर्व मंदिरों में माता की प्रतिमा की नीव रखी जाती है। कलश पूजन के साथ महिलाएं शोभा यात्रा निकालती है। बाद में कलश को मंदिरों में स्थापित किया जाता है। विषहरी पूजा के एक महीने पहले से ही अंग प्रदेश के कोने कोने में भक्तों एवं भजन मंडली द्वारा मनसा देवी के लोकगीतों गाए जाते है। पारंपरिक तरीकों से ही मंदिरों में इसकी तैयारी शुरू हो जाती है। 17अगस्त को सिंह नक्षत्र प्रवेश के साथ ही माता बिषहरी की प्रतिमा स्थापित की जाती है। आधी रात को मां विषहरी की प्रतिमा का पट खुलते ही पूजा शुरू हो जाती है।। सुबह सवेरे से ही महिलाएं डलिया चढ़ाने एकत्रित होने लगती है। संध्या में बाला लखेंद्र की बारात धूमधाम से शहर और आसपास के मुहल्ले में निकाली जाती है। उसके बाद रात में शादी की रस्म अदा होती है। तदोपरांत सर्पदंश होगा और बिरला विधवा हो जाएगी। सारी रस्में पूरी परंपरा के अनुसार निभाई जाती है। अगली सुबह प्रातः दूसरी डलिया सभी स्थानों पर चढ़ाई जाती है। दोपहर बाद विभिन्न मंदिरों से भक्तों के साथ मंजूषा विसर्जन का सिलसिला शुरू हो जाता है। विसर्जन में बड़ी संख्या में भक्त आते है। फिर शाम में देवी स्थानों पर कई जगहों पर मेला का आयोजन होता है। इस वर्ष 17अगस्त से शुरू हो रहे इस त्योहार को लेकर अभी से पूरे शहर में माहौल बनना शुरू हो गया है, प्रशासन भी सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम में जुट चुका है। मान्यता है कि जब बिहुला इंद्रलोक की तरफ प्रस्थान कर रही थी तो उन्होंने विशाल नौका पर कई मंजिलों वाली मंजूषा बनवाई थी जिसे विविध चित्रों से सजाया गया था। आज भी अंग जनपद में प्रचलित मनसा विषहरी के चांदो सौदागर से पूजा लेने की लोकगाथा को ही चित्रों के माध्यम से घर नुमा मंजूषा पर उकेरा जाता है और विषहरी पूजा में चढ़ाया जाता है। अंग जनपद भागलपुर की मंजूषा लोक कला को कागज पर उकेरने की शुरूआत स्वर्गीय चक्रवर्ती देवी द्वारा प्रारंभ की गई जिन्होंने अंग क्षेत्र की एक अनाम लोक चित्रकला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

संपादकीय

तबाही के सबक

इस साल का मानसून हिमाचल में जिस कदर कहर बनकर बरपा है, वह अप्रत्याशित व भयावह है। दरअसल, मीडिया व पर्यावरणविद् लंबे समय से जिस ग्लोबल वार्मिंग व पर्यावरणीय संकट के प्रति चेता रहे थे, उसने अब हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मंडी से लेकर शिमला तक तबाही का जो मंजर सोशल मीडिया व परंपरागत समाचार माध्यमों में दिखा है उसने शेष देश के लोगों को भी व्यथित किया है। पंद्रह अगस्त को शिमला में समरहिल की त्रासदी ने हर किसी को दुख से भर दिया। वहीं जगह-जगह बहुमंजिली इमारतों के ढहने के दृश्यों ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिये। बताते हैं कि इस मानसून सीजन में हिमाचल में बादल फटने, अतिवृष्टि-भूस्खलन आदि में मरने वालों का आंकड़ा पौने तीन सौ को पार कर गया है। अभी काफी लोग लापता हैं। भूस्खलन की सैकड़ों घटनाएं हुई हैं। राज्य को होने वाले आर्थिक नुकसान का आकलन सात हजार करोड़ से अधिक किया गया है। वास्तविक स्थिति का आकलन दूरदराज के इलाकों से नुकसान की अंतिम सूचना आने के बाद होगा। उफनती नदियां, गरजते बरसाती नाले और दरकते पहाड़ लोगों को भयाक्रांत बना रहे हैं। हिमाचल व उत्तराखंड में लगातार बादल फटने की घटनाएं भयभीत कर रही हैं। यह कुदरत का बदला मिजाज क्यों कहर बरपा रहा है, इसकी तार्किक व्याख्या जरूरी है। पहले बादल फटने की घटनाएं कम ही सुनने में आती हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि जिन इलाकों में बांधों का निर्माण होता है वहां पर्यावरण में असामान्य आर्द्रता बादल फटने की प्रक्रिया को अंजाम देती है। बहरहाल तय है कि बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है। कम समय में अधिक तेज बारिश पहाड़ों को खोखला कर रही है। वहीं तंत्र की काहिली और विकास में भ्रष्टाचार की कलई भी बारिश खोलती है। गुणवत्ता से समझौता और भौगोलिक जरूरतों के अनुरूप सार्वजनिक निर्माण का न होना भी नुकसान की वजह बनता है। यही वजह है कि अंग्रेजों के समय के कई निर्माण जस-के-तस खड़े हैं और बाद के पुल नदियों में बहते नजर आते हैं। बहरहाल, यह तबाही देश के पहाड़ी राज्यों के लिये सबक लेकर आई है। जनसंख्या के बोझ से दबे पहाड़ी इलाके बहुमंजिला इमारतों के अतिरिक्त बोझ को उठाने में सक्षम नहीं हैं। अंग्रेजों के जमाने में पर्वतीय टूरिस्ट स्थलों में आवासीय भवनों के लिये सीमित मंजिलों के निर्माण की ही अनुमति थी। उनकी छतें हल्की होती थीं। खुद को सर्वशक्तिमान समझने वाले मनुष्य को बोध होना चाहिए कि इंसान को पहाड़ पर चढ़ते वक्त झुकना होता है। शिमला व मसूरी जैसे हिल स्टेशन शहरी विलासिता का बोझ उठाने में सक्षम नहीं हैं। हिमाचल व उत्तराखंड के हिमालयी पहाड़ अपेक्षाकृत नये और विकास का अनियंत्रित बोझ उठाने की दृष्टि से संवेदनशील हैं। अनियोजित विकास और व्यावसायिक तथा निर्माण कार्यों के लिये पेड़ों के कटान ने पहाड़ों की उस परत को नष्ट किया है जो तेज बारिश से भूस्खलन को रोकती थी।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी
मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

तेज गति से बढ़ता टोल शुल्क महंगाई का कारण बना

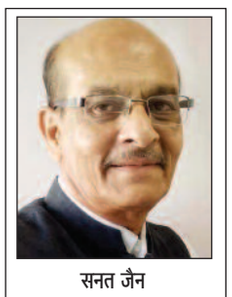

सनत जैन

भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण बड़े पैमाने पर रोड बना रहा है। भारत माला जैसी परियोजनाओं के लिए भारी कर्ज लिया जा रहा है। रोडें अब धीमी गति से बन रही है। रोड बनने के पहले ही टोल शुरू हो जा रहा है। जिन रोड़ों पर टोल टैक्स लग रहा है। बीच-बीच में उनकी हालत बड़ी खस्ता है। मरम्मत भी नहीं हो पा रही है। इसके बाद भी वाहन चालकों से भारी टोल वसूल किया जा रहा है। पिछले 10 सालों से टोल टैक्स लगभग हर साल बढ़ाया जा रहा है। हर साल सरकार 5 से 10 फीसदी टोल टैक्स बढ़ा देती है। 75 फीसदी टोल वाणिज्यिक वाहनों से प्राधिकरण को प्राप्त होता है। 25 फीसदी टोल टैक्स सामान्य चार पहिया वाहनों से वसूल होता है। 2 रुपये प्रति किलोमीटर से ज्यादा टोल टैक्स की वसूली, लाइट मोटर व्हीकल से की जा रही है। वाणिज्य वाहनों में यह वसूली और भी ज्यादा है। जिसके कारण तेजी के साथ हर चीज महंगी हो रही है। बाजार में महंगाई बढ़ती चली जा रही है। वाणिज्यिक वाहनों से टोल में हजारों रुपए टैक्स के रूप में वसूल किया जा रहे हैं। जिसके कारण महंगाई दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही है। लंबी दूरी पर चलने पर ट्रकों से 20 से 30000 रुपये टोल टैक्स के रूप में चुकाने होते हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कर्ज लेकर रोड बना रहा है। कर्ज लेकर जो रोड बन रही है। वह काफी धीमी गति से बन रही है। लागत के मुकाबले आय कम होने से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अपना कर्ज भी नहीं चुका पा रहा है। सितंबर 2022 तक राष्ट्रीय राजमार्ग का कर्ज 3.48 लाख करोड रुपए हो गया है। जो भारत की जीडीपी का 3.4 फीसदी है।

2014 से 2022 के बीच में यह कर्ज 14 गुना से ज्यादा बढ़ गया है। जिसके कारण कर्ज के मकडजाल में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण बुरी तरह फंस गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 2019 में चिट्ठी लिखकर कर्ज कम करने की चेतावनी प्राधिकरण को दी थी। उसके बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कर्ज कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। 2014 के बाद से प्राधिकरण द्वारा अंधाधुंध कर्ज लिया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण की लागत 30 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। दबाव में कई ऐसी परियोजनाओं को शुरू कर लिया गया है। जो किसी भी तरीके से लाभदायक और जरूरी नहीं है। सड़क निर्माण की रफ्तार भी तेजी के साथ घट गई है। पहले प्रतिदिन 37 किलोमीटर सड़क तैयार हो रही थी। जो अब घटकर 20 किलोमीटर पर आ गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भारी आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। पिछले 5 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कर्ज 47 फीसदी बढ़ गया है। जबकि आय में केवल 7.3 फीसदी का इजाफा हुआ है। प्राधिकरण चाहता है, कि सड़कों पर टोल बढ़ाया जाए। हर साल 5 से 10 फीसदी बढ़ाया भी जा रहा है। टोल अब इतना ज्यादा हो गया है, कि इससे ज्यादा यदि वसूल किया गया। तो लोगों की नाराजगी सड़कों पर खुलकर सामने आ जाएगी। टोल के कारण महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कर्ज की समस्या से निपटने के लिए सरकार,इन सड़कों को बेचकर, निजी क्षेत्र को देने का मन बना लिया है। सरकार हाईवे बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रही है। लेकिन ढंग के ग्राहक भी सरकार को नहीं मिल पा रहे हैं। जो पुराने निवेशक हैं। वह घाटे के कारण बाहर निकालने की तैयारी कर रहे हैं। महंगाई और ब्याज दर बढ़ने के कारण टोल कंपनियों को टोल से कमाई की उम्मीद कम हो गई है। ?जिसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की मुसीबतें अब दिनों दिन बढ़ने वाली हैं। कर्ज के भार से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कराहने लगा है। टोल प्लाजा पर जिस तरह से शुल्क बढ़ाया जा रहा है। अब उसकी नाराजी भी देखने को मिलने लगी है। टोल का खर्च और ईंधन का खर्च लगभग लगभग बराबर होने की स्थिति पर आ गया है। जो सबसे बड़ी चिंता का कारण है।

क्रिकेटः टीम चयन को लेकर ऊहापोह

मनोज चतुर्वेदी

आईसीसी विश्व कप का इस बार घर में आयोजन हो रहा है। देशवासी 2011 में विश्व कप जीतने के बाद से इससे चली आ रही दूरी को इस बार खत्म होने की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन विश्व कप शुरू होने में 50 से भी कम दिन बाकी रहने पर भी भारतीय टीम को लेकर संशय खत्म नहीं हो रहा है। वास्तव में इस संशय को बनाने में कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस और कुछ का मिले मौकों का फायदा नहीं उठा पाने ने अहम भूमिका निभाई है। तीन ऐसे खिलाड़ी हैं, जो टीम के लिए खासे अहम हैं। पर तीनों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता है कि वे विश्व कप में खेलेंगे ही। ये खिलाड़ी हैं-केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह।

भारतीय चयनकर्ता विश्व कप की टीम को अंतिम रूप देने के लिए पांच सितम्बर की आखिरी तारीख तक इंतजार करना चाहते हैं। इस तारीख तक बुमराह के बारे में सही रिपोर्ट मिल चुकी होगी। राहुल और श्रेयस के साथ पेसर प्रसिद्ध कृष्णा के बारे में भी स्थिति किसी हद तक साफ हो चुकी होगी। भारत के सामने घोषित टीम में बदलाव करने का 27 सितम्बर तक का मौका होगा। इस समय तक एशिया कप खत्म हो चुका होगा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के दो मैच भी खेले जा चुके होंगे। इससे चयनकताओं के सामने खिलाड़ियों की तस्वीर साफ हो चुकी होगी। बुमराह पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ खेलने के बाद से ही पीठ की तकलीफ का इलाज करा रहे हैं। बुमराह के विश्व कप में खेलने के बारे में संकेत आयरलैंड दौरे से ही मिल सकेगा। वह यदि तीन मैचों की टी-20 सीरीज में बिना किसी दिक्कत के गेंदबाजी कर पाते हैं तो उन्हें विश्व कप की तैयारी के लिए 30 अगस्त से 17 सितम्बर तक होने वाले एशिया कप में खिलाया जा सकता है। बुमराह भारतीय टीम के लिए बेहद अहम हैं।

जहां तक बाकी तेज गेंदबाजों की बात है तो मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी का खेलना पक्का है। शार्दुल ठाकुर को बल्लेबाजी की क्षमता को देखते हुए मौका मिल सकता है। अंतिम स्थान का फैसला प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार में से होगा। संभावना है कि प्रसिद्ध को बैकअप गेंदबाज के तौर पर रखा जाए। वैसे वह भी आयरलैंड दौरे से लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। राहुल टीम के लिए अहम हैं, क्योंकि वह टीम में महत्त्वपूर्ण पांचवां नंबर संभालने का माद्दा रखने के साथ विकेटकीपर की भूमिका निभाने का भी माद्दा रखते हैं। भारत ने वेस्ट इंड़ीज दौरे पर ईशान किशन को वनडे. सीरीज में आजमाया था। वह लगातार तीन वनडे. मैचों में अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने में सफल रहे। पर टी-20 सीरीज में खराब फॉर्म की वजह से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा गया। हालांकि वह भारत के धीमे विकेटों पर आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख मोड़. सकते हैं। पर लगता यही है कि राहुल फिट हो जाते हैं तो विकेटकीपर की भूमिका उनके ही निभाने की संभावना है। राहुल ने पिछली आईपीएल के दौरान चोटिल होने से पहले इस साल 18 मैचों में 53 के औसत से रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल थे। श्रेयस का फिट होना भी टीम के लिए अहम है। वह मध्य के ओवरों में खेलने के माहिर हैं, क्योंकि स्पिन गेंदबाजों का कदमों के अच्छे इस्तेमाल से सामना करते हैं। श्रेयस में पारी को गति प्रदान करने का भी माद्दा है। पर सवाल यह है कि ये दोनों समय रहते फिटनेस नहीं बना पाते तो क्या विकल्प रहने वाला है। दावेदार बैटर्स का वेस्टइंड़ीज दौरे पर उम्मीदों के अनुरूप नहीं खेल पाने ने दिक्कतें बढ़ाई हैं।

इन दोनों जगहों के लिए सूर्यकुमार यादव और संजू सेमसन को आजमाया गया। लेकिन दोनों ही वनडे. सीरीज में छाप छोड़ने में असफल रहे। यादव ने तो खुद माना है कि वह वनडे. मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। संजू विकेटकीपिंग मामले में ईशान से पिछड़ते दिख रहे हैं। संजू के खेलने की संभावना तब ही बन सकती है, जब राहुल फिट ना हों। वेस्टइंड़ीज दौरे पर टीम में शामिल होने के लिए तिलक वर्मा के रूप में एक और दावेदार उभरकर आया है। हालांकि वह वेस्ट इंड़ीज में टी-20 सीरीज में ही खेले थे। लेकिन वह पूरे भरोसे के साथ बल्लेबाजी करते हैं। उनके खेलने के अंदाज के कप्तान रोहित शर्मा भी कायल हैं। इस कारण उन्हें एशिया कप में आजमाया जा सकता है। वह यदि यहां भी प्रभावित करने में सफल रहते हैं तो श्रेयस के बैकअप खिलाड़ी बन सकते हैं। जहां तक बात स्पिन गेंदबाजी की है, तो पिछले कुछ दिनों में कुलदीप यादव साबित करने में सफल रहे हैं कि वही टीम के नंबर एक गेंदबाज हैं। रविंद्र जडेज़ा का भी बल्लेबाजी की क्षमता की वजह से खेलना पक्का है। तीसरे स्पिनर के लिए अक्षर पटेल और युजवेंद्र चहल में मुकाबला हो सकता है। कप्तान रोहित शर्मा ने पिछले दिनों कहा था कि विश्व कप थाल में सजाकर नहीं मिलता। इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उनकी बात में दम है पर यह भी सच है कि आप कितनी बेहतर टीम उतारते हैं।

बेटी का शव देखकर कांप गए परिजन

मां के पास सो रही पांच साल की बच्ची को उठा ले गए दरिंदे, फिर झाड़ी के पास..

वाराणसी। काशी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पिता और मां के बीच सोई पांच साल की मासूम बच्ची को अगवा कर उसका मुंह दबाकर हत्या कर दी गई। मासूम की चोट के आधार पर उसके साथ दुष्कर्म के प्रयास की आशंका जताई गई है। घटना की जांच कर रही आदमपुर थाने की पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। शंका के आधार पर संदिग्ध गतिविधियों वाले क्षेत्र के तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना 14 अगस्त की देर रात की है। मासूम का शव 15 अगस्त की सुबह झाड़ी से बराम किया गया है। जानकारी के मुताबिक चंदौली जिले के मुगलसराय की रेल कॉलोनी क्षेत्र में रहने वाला एक व्यक्ति अपने परिवार के साथ बनारस आकर दोना-पत्ता बेचने का काम करता है। 14 अगस्त को वह अपनी तीन बेटियों, पत्नी और मां के साथ हमेशा की तरह ट्रेन से वाराणसी आया। वापसी में देरी होने के कारण सभी काशी रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार के पास खाली पड़ी जमीन पर सो गए। देर रात गर्मी लगी तो परिवार का मुखिया पत्नी और पांच साल की बेटी को लेकर प्लेटफॉर्म दो-तीन पर चला गया। रात लगभग ढाई बजे परिवार के मुखिया की नींद खुली तो उसके और उसकी पत्नी के बीच से बेटी गायब मिली। इस पर उसने

बेटी की खोजबीन शुरू करते हुए अपनी मां को मुगलसराय भेजा। उसकी मां ने मुगलसराय जाकर बताया कि बेटी घर नहीं आई है। सूचना पुलिस को देकर वह मासूम की खोजबीन करता रहा। मंगलवार की सुबह खोजबीन के दौरान राजघाट स्थित मालवीय पुल के ढलान के समीप झाड़ी में मासूम का शव मिला। पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे डॉग स्क्वॉड को कोई खास सुराग नहीं मिला। फॉरेंसिक टीम की मदद से भी साक्ष्य जुटाए गए हैं। दोपहर बाद पोस्टमार्टम कराकर मासूम का शव परिजनों को सौंप दिया गया। आदमपुर थाने की पुलिस के अनुसार रेलवे स्टेशन पर सीसी कैमरे नहीं लगे हैं। इस वजह से पड़ताल में खासी दिक्कत आ रही है। यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि मासूम को कौन और किधर से गया था। जहां मासूम का शव मिला है, उसके आसपास भी सीसी कैमरे नहीं लगे हैं। एक-एक कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है। ऐसा लग रहा है कि क्षेत्र से वाकिफ लोगों ने ही मासूम की हत्या की है। काशी रेलवे स्टेशन और उसके आसपास का इलाका रोजाना शाम ढलते ही जुआरियों और नशेड़ियों का अड्डा बन जाता है। इलाके में पथ प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था नहीं रहती है। यह सिलसिला रोजाना भोर तक जारी रहता है। स्टेशन पर जीआरपी की निगरानी नहीं के बराबर रहती है। आदमपुर थाने की पुलिस की रात्रिकालीन गश्त भी नहीं के बराबर ही रहती है, इसलिए रेलवे स्टेशन के बारे में भलीभांति जानने वाले रात के समय उधर जाने से कतराते हैं। झाड़ी में मासूम बेटी का लहूलुहान शव पड़ा देखकर मां-बाप का कलेजा कांप गया। दोनों बार-बार यही कह रहे थे कि इस छोटी सी बच्ची ने भला किसी का क्या बिगाड़ा था? पिता ने कहा कि परिवार का पेट भरने के लिए मुगलसराय से बनारस आना-जाना रोजाना ही होता है। वापसी में देरी होने पर अक्सर रेलवे स्टेशन पर ही रातभर रुक जाते थे। इस बार रेलवे स्टेशन पर रुकना जिंदगी भर नहीं भूलेगा। बेटी को खोने का दर्द हमेशा रहेगा। एडीसीपी काशी जोन चंद्रकांत मीणा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार बच्ची का मुंह दबाकर हत्या की गई है।

संक्षिप्त डायरी

ईएसआई अस्पताल में धूमधाम के साथ मनाया गया आजादी का जश्न

संस्कार उजाला

नोएडा। सेक्टर 24 में स्थित ईएसआई अस्पताल परिसर में स्वतंत्रता दिवस की 77वी वर्षगांठ पर निदेशक चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सोनी बेदी ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीयगान के साथ स्वतंत्रता दिलवाने वाले शहीदों को याद किया। उपचिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर प्रतिमा दबे ने देश प्रेम और राष्ट्रीय निर्माण के उपलक्ष्य पर अपने विचार साझा किए। टीकम सिंह ने शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच का संचालन मकरध्वज ने किया। इस मौके पर हरमिंद्र पाल, सुरेंद्र सिंह नेगी, आनंद मणि, संजय कुमार थपलियाल, डॉ ब्रह्मनिश सितारा, भूतपूर्व कैप्टन जसवीर सिंह बेदी, अमरजीत बेदी, स्मिता गज्जर, उषा मेश्राम, रेज्जी आनंद, टी राज, पूनम रानी, विनायक कुमार दुबे, सुखराम सिंह चौहान, विकास चौहान और रविंद्र कुमार प्रजापति आदि मौजूद रहे।

संस्कार उजाला परिवार में शामिल हुए राजेश यादव

संस्कार उजाला

मेरठ मंडल इंचार्ज श्री राजेश यादव जी को संस्कार उजाला परिवार में शामिल किया गया है वह मेरठ मंडल में के सारे जिलों को संभालेंगे और अपनी टीम बनाएंगे संस्कार उजाला के उज्जवल भविष्य की और देखेंगे

बिजनौर सड़क हादसे में दो युवकों की मौतः सामने आई नीलगाय से हुआ हादसा

संवाददाता

बिजनौर । नगीना देहात क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक सड़क पर आई नीलगाय से टकरा गई। टक्कर इतनी भयंकर थी की बाइक सवार दोनों युवक बाइक से उछलकर कर सड़क पर जाकर दूर गिर गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों व पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसा बिजनौर के नगीना देहात थाना क्षेत्र के रायपुर टांडा रोड पर उस वक्त हुआ, जब टांडादास के रहने वाले 25 वर्षीय साजिद उर्फ सोनू पुत्र अतीक व 30 वर्षीय तहसीन पुत्र तस्लीम बाइक पर सवार होकर गांव से रायपुर की तरफ जा रहे थे। जैसे ही बाइक कदरपुर नानू के सामने पहुंची, तभी अचानक से खेतों से निकलकर एक नीलगाय सड़क पर आ गई, जिससे बाइक टकरा गई और अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।

बिजनौर में खेत गया युवक अचानक लापता

संवाददाता

बिजनौर । कोतवाली देहात इलाके में आज उस वक्त हड़कम्प गया जब बाइक से खेतो पर जा रहा एक युवक अचानक से लापता हो गया। युवक को गुलदार द्वारा ले जाने की सूचना पर आसपास के सैकड़ों ग्रामीण पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश के लिए जंगलों में अभियान शुरू कराया। काफी मशक्कत के बाद भी अभी तक युवक का कुछ पता नहीं लग सका। दरअसल, यह पूरा मामला बिजनौर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र का है। जहां के रामपुर गांव के रहने वाला 27 वर्षीय ललित कुमार पुत्र रामकुमार गुरुवार को बाइक से खेत जा रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही वह जंगल की तरफ बढ़ा तो अचानक से गायब हो गया। आसपास के ग्रामीण जब उधर से गुजर रहे थे तो उन्होंने युवक की बाइक और मोबाइल पड़ा हुआ देखा। अंदाजा लगाया जा रहा है कि गुलदार युवक को उठाकर के ले गया। इस बात की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी तो सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। सूचना पर पुलिस व वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और युवक की तलाश के लिए सर्चिंग अभियान शुरू कराया कई घंटे की मशक्कत के बाद अभी तक युवक का कुछ पता नहीं लग पाया है। फिलहाल पुलिस वन विभाग की टीम और ग्रामीण युवक की तलाश में जुटे हुए हैं।

चांदपुर में भाकियू लोकशक्ती का प्रदर्शन

संवाददाता

बिजनौर । चांदपुर में जिले में व्याप्त गुलदार के आतंक से मुक्ति व किसानों की अन्य प्रमुख समस्याओं को लेकर आज चांदपुर तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के बैनर तले मासिक पंचायत व धरना प्रदर्शन किया गया। किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया है। पंचायत की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चौ. वीर सिंह सहरावत ने व संचालन जलीलपुर ब्लॉक अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह काकरान ने किया।

धरना प्रदर्शन और पंचायत के बाद किसानों ने अपनी मांगों को लेकर तहसीलदार चांदपुर को ज्ञापन सौंपा है। धरना स्थल पर पहुंचे राष्ट्रीय महासचिव चौ. पदम सिंह और राष्ट्रीय सचिव सुमित नागर ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति संगठन किसान हितों की रक्षा के लिए किसी भी संघर्ष को सदैव तैयार है। धरनारत किसानों को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चौ. वीर सिंह सहरावत ने बताया कि गुलदार को लेकर किसानों में भय का माहौल बना हुआ है। किसान

अपने खेतों पर काम करने से भी डर रहे हैं, लेकिन वन विभाग व शासन प्रशासन आदमखोर गुलदार को नष्ट करने या पकड़ने में लगातार नाकाम साबित हो रहा है। दूसरी तरफ किसानों को लागत के अनुसार उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलता है। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है।

जलीलपुर ब्लाक अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह काकरान ने कहा कि शासन प्रशासन किसानों के सभी मुद्दों को गम्भीरता से लेकर किसानों को राहत देने का प्रयास करें। किसानों के बीच धरना स्थल पर पहुंचे चांदपुर तहसीलदार, वन रेंजर चांदपुर व एसडीओ को किसानों ने सम्बन्धित समस्याओं से अवगत कराया। कुछ स्थानीय समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कराया व शेष समस्याओं के शीघ्र समाधान के आश्वासन के बाद माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को सम्बोधित एक ज्ञापन तहसीलदार चांदपुर को सौंप कर धरना समाप्ति की घोषणा की। नर-भक्षी गुलदारों के आतंक से छुटकारा दिलाने के लिए अविलंब उन्हें नष्ट या पकड़ा जाए। शुगर मिलों पर गन्ने का बकाया भुगतान अविलंब किसानों को दिलाया जाए। आगामी पिराई सत्र में गन्ने का भाव 500 रुपए /क्विंटल कराया जाए। घर-घर पानी योजना के तहत उखाड़ी सड़कों का मरम्मत कार्य शुरू कराया जाए। निराश्रित घूम रहे पशुओं को गौशालाओं में पहुंचाने व उनके खाने दाने की उचित व्यवस्था की जाए। जंगली जानवरों से किसानों व उनकी फसलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ली जाए आदि।

धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से राष्ट्रीय महासचिव चौ. पदम सिंह, राष्ट्रीय सचिव सुमित नागर, जिलाध्यक्ष चौ. वीर सिंह सहरावत, प्रदेश महासचिव चौ. सतबीर सिंह, मंडल महासचिव अमरीश देशवाल, युवा जिलाध्यक्ष प्रदीप राणा, जलीलपुर ब्लाक अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह काकरान, धामपुर ब्लाक अध्यक्ष हरिराज सिंह जाट, योगेन्द्र सिंह भोले, मूला सिंह, ओंकार सिंह, मनोज कुमार, विजेंद्र प्रधान, सोनू कश्यप, बह्मपाल सिंह, सौरभ, भूदेव सिंह, सहित बड़ी संख्या में भाकियू लोकशक्ति पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिजनौर खादर के कई क्षेत्रों में घुसा बाढ़ का पानी

संवाददाता

बिजनौर । हरिद्वार से गंगा नदी में छोड़े गए 3 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी की वजह से गंगा नदी उफान पर है। खादर क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। आधा दर्जन से ज्यादा गांव के रास्ते पूरी तरह से बंद हो गए हैं। लोग घरों में कैद होने को मजबूर हैं। पानी में फंसे लोगों को निकालने के लिए एसडीआरएफ लगातार अभियान चला रही है। खेतों में कई फिट पानी भरे होने की वजह से किसानों की हजारों बीघा गन्ना, धान ,हरे चारे की फसल बर्बाद हो गई है। उत्तराखंड के पहाड़ों पर हुई बारिश के चलते हरिद्वार बैराज से छोड़े गए तीन लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी की वजह से गंगा नदी उफान पर है। जिसके चलते गंगा खादर क्षेत्र में खेतों में खड़ी फसलों में कई कई फिट पानी भर जाने के चलते फसलें बर्बाद हो गई हैं। जलीलपुर इलाके के रायपुर खादर, जलालपुर सीकरी, जलालपुर, सियालीपुर खादर, मुजफ्फरपुर खादरस जमालुद्दीन पुर बसंतपुर, हुसैनपुर में पानी घुस गया है। नारनौर सड़क पर से 3 से 4 फिट पानी भरा होने के चलते ग्रामीणों का आवागमन बंद हो गया है। कई लोग तो गांव से निकलकर सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि काफी लोगों को प्रशासन ने रेस्क्यू कर राहत कैंप में पहुंचा दिया है। जहां पर उनके लिए खाने-पीने और अन्य जरूरत के समान मुहैया कराया जा रहा है। किसानों के खेतों में कई कई फीट पानी भरा होने के चलते गन्ना, धान व हरे चारे की फसल बर्बाद हो गई है। जिसके चलते अब ग्रामीणों के आगे रोजी-रोटी का संकट भी खड़ा हो गया है। बाढ़ के पानी में फंसे लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के लिए एसडीआरएफ व पुलिस की टीम लगातार अभियान चला रही है। लोगों को पानी के बीच से नाव के जरिए निकालकर सुरक्षित स्थान या प्रशासन द्वारा बनाए गए कैंपों में पहुंचा रही है।

उ.प्र.अपराध निरोधक समिति ने उत्साह और धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

● उ.प्र. अपराध निरोधक समिति की केंद्रीय कमेटी के सदस्य किये गए सम्मानित, ● हमें सदैव वीर सपूतों व राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले शहीदों को भी तीर्थ के रूप में मानना होगा : डॉ उमेश शर्मा ● जिनके बलिदान व शौर्य का देश ऋणी है,उनको सच्ची श्रद्धांजली यही होगी कि राष्ट्र निर्माण में मानवता व समरसता की झलक सदैव रहे : डॉ उमेश शर्मा

संस्कार उजाला

आगरा/मथुरा। आजादी के अमृतकाल में मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के चेयरमैन डॉ उमेश शर्मा के निदेर्शानुसार मथुरा सर्पेक्षण ग्रह में 77वा स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उ.प्र.अपराध निरोधक समिति चेयरमैन डॉ उमेश शर्मा ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये बताया कि हमें सदैव वीर सपूतों व राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले शहीदों को भी तीर्थ के रूप में मानना होगा। जिनके बलिदान व शौर्य का देश ऋणी है,उनको सच्ची श्रद्धांजली यही होगी कि राष्ट्र निर्माण में मानवता व समरसता की झलक सदैव रहे। यह अमृतकाल देश और आने वाली पीढ़ियों के नया इतिहास लिखने व सच्चे इतिहास को जानने का समय है। आजादी का अमृत महोत्सव मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति ने पूरे प्रदेश में आजादी का अमृत महोत्सव मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के साथ-साथ पंच पद की शपथ लेकर देश की मिट्टी, शहीदों वह वीरों को नमन किया गया। पूरे प्रदेश में उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक की समस्त जिला, मंडल व जोन इकाइयां तथा प्रदेश कमेटी के सभी पदाधिकारियों को व प्रांतीय सचिव जीके पाठक के द्वारा यह निर्देशित किया गया कि आजादी के अमृत काल में 77 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे जोर-शोर उल्लास के साथ मनाया जाना है। जिसमें पुलिस प्रशासन कारागार विभाग के अधिकारियों को सम्मानित करने की स्थापना कारागार में निरुद्ध बंदियों के हितार्थ जो भी कार्य संभव हो उनको खुशी प्रदान की जाए कारागार में निरुद्ध महिला बंदियों के साथ रह रहे। शिशु को मिठाइयां फल इत्यादि और कपड़े समिति ने गिफ्ट किये। समिति के चेयरमैन श्री शर्मा ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति शासन प्रशासन को और पुलिस प्रशासन को बेहतर योगदान देगी। समंजन के साथ समाज में व्याप्त अपराधों को नियंत्रित करवाने व काम करवाने में महत्वपूर्ण क्रांति होंगी। इस दौरान प्रांतीय सचिव जीके पाठक ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि हम 77 वा स्वतंत्रता दिवस अपने देश के शहीदों देश के द्वारा पिछले 77 वर्षों में अर्जित किए गए संकल्पों को, व आगामी 25 वर्षों के लिए भविष्य निर्माण की रूपरेखा तय करने की भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी के साथ-साथ सभी प्रशासनिक अधिकारियों के लिए गए संकल्प व जनहित में किये गए कार्यों का प्रचार प्रसार करने में भी सहयोग करेंगी और करती चली आ रही है। यह आजादी का अमृत महोत्सव गाजियाबाद जिला का

मेरठ महानगर का गौतम बुद्ध नगर आगरा अलीगढ़ में हाथरस की इकाई द्वारा,एटा में आगरा इकाई द्वारा फिरोजाबाद मैनपुरी इटावा बुलंदशहर सहारनपुर मुजफ्फरनगर मुरादाबाद रामपुर बरेली शाहजहांपुर लखीमपुर खीरी पीलीभीत बाराबंकी बलिया कुशीनगर देवरिया मऊ सोनभद्र मिजार्पुर प्रयागराज कौशांबी भदोही वाराणसी गाजीपुर गोरखपुर महाराजगंज आगरा इत्यादि सभी जिलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में सचिन पाठक ने कहा कि समिति की परंपरा रही है पुलिस प्रशासन और कारागार प्रशासन के अच्छे अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय पर्व पर सम्मानित किया जाना चाहिए जिससे कि समाज को यह संदेश जाए प्रशासन के लोग जब सम्मानित होते हैं उसे सम्मान के बदले समाज में भी सम्मान की भावना पैदा होती है। समिति के वाइस चेयरमैन वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष राज्यमंत्री डॉक्टर देवेंद्र शर्मा का सानिध्य प्राप्त हुआ व जिला प्रोविजन अधिकारी व सीडब्ल्यूसी के सदस्य मजिस्ट्रेट सतीश शर्मा सर्पेक्षण ग्रह के अधीक्षक व शिशुग्रह के अधीक्षक व समिति के सदस्यगण मौजूद रहे। मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री द्वारा निर्देशित मेरी माटी मेरा देश प्रत्येक जनपद में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जाने के तहत मथुरा जनपद का कार्यक्रम बीएसए महाविद्यालय में बहुत ही भव्य और दिव्य तरीके से मनाया गया जिसमें मान, लक्ष्मी नारायण मंत्री जी समस्त विधायक, जिलाधिकारी,एस एस पी, मुख्य विकास अधिकारी अन्य बरिष्ठ अधिकारी एवं जनपद के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। विगत दिवस भारत विभाजन विभीषिका दिवस भी आयोजित किया गया था। आज के कार्यक्रम में मुख्य मन्त्री का लाइव टेलीकास्ट भी हुआ। देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमो ने उपस्थित जनों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। सभी ने राष्ट्र की पावन मिट्टी लेकर राष्ट्रहित में ही कार्य करने के संकल्प लिया। जिलाधिकारी श्रीपुलकित खरे एवं मंत्री श्रीलक्ष्मी नारायण, प्राचार्य डॉ ललित मोहन शर्मा द्वारा अभूतपूर्व किए गए कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में शहीद परिवारी की वीरनारियो, एवं अन्य परिवारीजनो, एवं स्वतन्त्रता सेनानी परिवारीजनो का भी बहुत-बहुत सम्मान किया गया। कार्यक्रम इतना शिव्य, सुन्दर, मनोरम एवं मनभावन साथ ही इतना श्रेष्ठ रहा कि प्रदेश में शायद ही इस तरह का संभव रहा होगा। इसमें विगत चार दिनों की प्राचार्य डॉ ललित मोहन शर्मा के नेतृत्व में सभी शिक्षकों, कर्मचारीओ का तथा जनपद के मुख्यविकास अधिकारी मीना एवं परियोजना निदेशक अरुण कुमार उपाध्याय का स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहा है। इस कार्यक्रम में उ.प्र. अपराध निरोधक समिति के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य पूर्व सी.डी.ओ. आर. एस. गौतम, मंत्री, जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सम्मानित किया।

कैग की रिपोर्ट पर आआपा ने केन्द्र सरकार को घेरा, किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने द्वारका एक्सप्रेसवे का दौरा किया और भारत के महालेखा नियंत्रक यानी सीएजी (कैग) की रिपोर्ट के आधार पर कहा कि इसके निर्माण में मोदी सरकार ने भारी भ्रष्टाचार किया है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि ये सड़क 18 करोड़ रुपए प्रति किमीं में बननी थी, लेकिन मोदी सरकार ने बिना अप्रूवल लिए इसे 251 करोड़ प्रति किमीं में बनाया। सीएजी की रिपोर्ट में मोदी सरकार के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि हम एक्सप्रेस-वे पर जाकर देखना चाहते थे कि आखिर 251 करोड़ रुपए प्रति किमीं में बनने वाली सड़क कैसी दिखती है? हम सड़क की मिट्टी घर लेकर जाएंगे, क्योंकि हो सकता है कि आने वाले दिनों में यह सोना बन जाए। उन्होंने कहा कि एक तरफ मोदी सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है और दूसरी तरफ केजरीवाल सरकार आजादपुर फ्लाईओवर बनाने में 100 करोड़ बचाकर उस पैसे से जनता को सुविधाएं देती है। इसी वजह से दिल्ली में सबसे कम महंगाई है।

नोएडा में शॉट सर्किट से चलती कार में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

नोएडा। नोएडा में रात एक चलती कार में आग लग गई। चालक ने गाड़ी से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। यह घटना सेक्टर 67 गोल चक्कर के पास हुई, जिसमें कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू

पाया। इस दौरान जाम की स्थिति बन गई। आग बुझाने के बाद क्रेन से कार को साइड किया गया। इसके बाद ट्रैफिक सामान्य हो सका।

मिली जानकारी के मुताबिक सुभाष चंद्र सेक्टर 63 से ऑफिस से अपनी फोर्ड फिएस्टा कार से घर सेंथली गांव जा रहे थे। इसी दौरान सेक्टर 67 के पास कार में आग लग गई। सुभाष चंद्र ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे ने बताया, प्राथमिक जांच में पता चला कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट है। आग काफी तेजी से फैली और पेट्रोल टैंक तक पहुंच गई। दमकल की एक गाड़ी ने पहुंचकर आग पर काबू पाया।

दिल्ली की एक फैक्ट्री में आग लगने से 5 दमकलकर्मी घायल

नई दिल्ली। दिल्ली में एक रासायन की फैक्ट्री में आग लगने के कारण हुए विस्फोट में पांच दमकलकर्मी घायल हो गए। एक शीर्ष अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा कि बुधवार रात 10.56 बजे फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद 30 दमकल गाड़ियों को बवाना औद्योगिक क्षेत्र भेजा गया। गर्ग ने कहा, जब दमकलकर्मी आग बुझाने में लगे थे, तभी एक रासायन टैंक में अचानक विस्फोट हो गया, जिसके कारण दीवार और गेट ढह गए और पांच कर्मचारी घायल हो गए। उन्हें महर्षि बाल्मीकि अस्पताल ले जाया गया और प्राथमिक उपचार दिया गया। घायल दमकलकर्मियों की पहचान धर्मवीर, अजीत, नरेंद्र, जयवीर और विकास के रूप में हुई है।

'INDIA' में पड़ रही दरार? : दिल्ली के LG से मिले कांग्रेस नेता, केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से गुरुवार को कांग्रेस नेताओं ने मुलाकात की है। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधि मंडल ने राज निवास सिविल लाइन जाकर उपराज्यपाल से महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुलाकात की। कहा जा रहा है कि दिल्ली कांग्रेस ने उपराज्यपाल के सामने दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है।

बीते दिल्ली में संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी। बैठक से बाहर आने के बाद अलका लांबा ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि तीन घंटे तक बैठक चली। बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे, केसी वेणुगोपाल और दीपक बाबरिया मौजूद रहे। इसके बाद अलका लांबा ने कहा कि पार्टी ने हमें आगामी लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी करने को कहा है। यह निर्णय लिया गया है कि दिल्ली में सभी सात सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं, इसके कुछ देर बाद कांग्रेस ने अलका के बयान का खंडन करते हुए कहा कि बैठक में ऐसे किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है। अलका लांबा का बयान सामने आने के बाद आप ने भी पलटवार करने में देरी नहीं की और इसके बाद आप और कांग्रेस के बीच बयानबाजी का दौर शुरू हो गया।

वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने दिल्ली में बूथ स्तर तक संगठन मजूबत करने के लिए अभियान चलाने का फैसला लिया है। पार्टी उदयपुर नवसंकल्प शिविर के प्रस्ताव के अनुसार संगठन का विस्तार कर जनता से संवाद करेगी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में लोकसभा चुनाव 2024 में दिल्ली की तैयारी को लेकर बैठक की। बैठक में आम आदमी पार्टी के साथ संभावित गठजोड़ के अलावा दिल्ली में पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की गई। हालांकि, आप के साथ गठबंधन करने पर किसी भी नेता ने खुलासा नहीं किया।

एक और दिन के लिए बढ़ा विधानसभा का सत्र, मणिपुर मुद्दे पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का सत्र सुबह 11 बजे से शुरू हो गया है। दिल्ली विधानसभा की उपाध्यक्ष राखी बिरला ने कार्यवाही को शुरू किया। दिल्ली विधानसभा में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा होने की संभावना है। विधायक दुर्गेश पाठक, विनय मिश्रा और कुलदीप कुमार मणिपुर में अशांति और वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचार के मुद्दे पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। दिल्ली विधानसभा का सत्र 1 दिन के लिए बढ़ाया गया है। अब कल यानी शुक्रवार को भी सदन की बैठक होगी। दिल्ली सरकार ने 2 दिन के लिए सत्र बुलाया था।

सदन की कार्यवाही के दौरान दिल्ली विधानसभा में नियम 280 के तहत आम आदमी पार्टी के विधायकों ने एमसीडी के कामकाज पर सवाल उठाया। विधायक राजेश कोचिंग सेंटर के

मामले में एमसीडी के अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एमसीडी के अधिकारियों से मिलकर कोचिंग सेंटर चलाए जा रहे हैं। वहीं आप विधायक नरेश यादव ने एवरेज तौर पर मकान बनाने के दौरान एमसीडी के अधिकारियों की ओर से उनकी बुकिंग करने में हेराफेरी करने का आरोप लगाया।

निजी अस्पताल में बेटे के स्थान पर बदल दी बेटी, अदालत के आदेश पर डेढ़ महीने बाद मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद । शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में नवजात शिशु को बदलने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित महिला की शिकायत पर इस मामले में अदालत का दरवाजा खटखटाया है। न्यायालय आदेश पर बुधवार को अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ईस्ट गोकुलपुरी दिल्ली की रहने वाली महिला का आरोप है कि प्रसव पीड़ा होने के बाद वह राज नर्सिंग होम पहुंची। जहां डॉक्टरों ने डिलीवरी के लिए मना कर दिया। किसी तरह से उसने सभी को मनवाकर अपना डिलीवरी अस्पताल में करवाया। डिलीवरी की गयी। महिला का आरोप है कि उसने एक बेटे को जन्म दिया था, लेकिन अस्पताल के डॉक्टर व नर्स ने सफाई कर्मी के साथ मिलकर उनका बच्चा बदल दिया है। बेटा की जगह उन्हें

बेटी पैदा होना बताकर थमा दिया है। अब जब उन्होंने इसकी शिकायत अस्पताल के प्रबंधन से की है तो उन्हें झूठे आरोप में फंसाने की धमकी मिल रही है। उन्होंने इस मामले में महिला आयोग और एसएसपी से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने अदालत का सहारा लिया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नए सत्र की शुरुआत पर डीयू कुलपति ने दी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं

64288 विद्यार्थियों के दाखिले के साथ शुरू हुआ डीयू का नया शैक्षणिक सत्र

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय का नया शैक्षणिक सत्र पूर्व घोषणा के अनुसार बुधवार से शुरू हो गया। नए सत्र के शुभारंभ पर कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने अंडर ग्रेजुएट प्रोग्रामों में नए आए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे निश्चिंत होकर अपने-अपने कॉलेजों के परिसर में जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए नए सत्र में अपने पसंदीदा कॉलेजों में आना बहुत ही सुखद अनुभव होता है। कुलपति ने बताया कि इस शैक्षणिक सत्र 2023-2024 में सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) के दूसरे राउंड के समापन पर 15 अगस्त तक कुल 64288

विद्यार्थियों के दाखिले की पुष्टि हुई है। पहले राउंड और दूसरे राउंड में कुल 105426 विद्यार्थियों को आवंटन प्रस्तावित हुआ था, जिनमें से 64288 विद्यार्थियों का दाखिला हो चुका है। कुलपति ने नए विद्यार्थियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि डीयू पूर्णतया रैगिंग फ्री विश्वविद्यालय है।

किसी भी विद्यार्थी के साथ कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए उन्होंने सीनियर विद्यार्थियों से भी आह्वान किया कि वह नए आए विद्यार्थियों को छोटे भाई बहनों की तरह प्यार और सम्मान दें।कुलपति ने देश में महिला सशक्तिकरण को लेकर कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में बेटियों के दाखिला प्रतिशत आधे से अधिक रहे हैं, जो एक सुखद पहलू है। उन्होंने बताया कि अब तक हुए कुल दाखिलों में लड़कियों का प्रतिशत 53 प्रतिशत है जबकि लड़कों का प्रतिशत 47 प्रतिशत है।

कॉलेज जिनमें हुए सर्वाधिक दाखिले:

दिल्ली विश्वविद्यालय की डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने दोनों राउंड में विद्यार्थियों द्वारा कॉलेजों की पसंद को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पहले राउंड में दयाल सिंह कॉलेज, हंसराज कॉलेज, गार्गी कॉलेज, रामजस कॉलेज और किरोड़ीमल कॉलेज ऐसे टॉप पांच कॉलेज रहे, जिनमें सर्वाधिक दाखिले हुए। उन्होंने बताया कि दूसरे राउंड में स्वामी श्रद्धानंद, देशबंधु कॉलेज और जाकिर हुसैन कॉलेज टॉप तीन कॉलेज रहे, जिनमें अधिकतम प्रवेश हुए।

इन पांच प्रोग्रामों में हुए सर्वाधिक दाखिले:

15 अगस्त तक प्राप्त कुल आंकड़ों के अनुसार टॉप पांच प्रोग्रामों में बी.कॉम और बी.ए. के ही प्रोग्राम रहे, जिनमें सर्वाधिक प्रवेश हुए हैं। डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी के अनुसार बी.कॉम (ऑनर्स), बी.कॉम, बी.ए.(ऑनर्स) राजनीति विज्ञान, बी.ए.(ऑनर्स) अर्थशास्त्र और बी.ए.(ऑनर्स) अंग्रेजी वह चुनिंदा पांच प्रोग्राम हैं जिनको सर्वाधिक विद्यार्थियों ने चुना।

30627 ने चुना फीज़ तो 29217 ने किया अपग्रेड: डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि दोनों राउंड में कुल 30627 आवेदकों ने अपना फीज़ का विकल्प चुना जबकि 29217 आवेदकों ने अपग्रेड करने का विकल्प चुना। उन्होंने बताया कि अपनी पहली वरीयता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की संख्या लगभग 8010 रही जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की संख्या लगभग 5560 रही।

दिल्ली में नीरज बवाना गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार,हत्या और मारपीट के कई मामले दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नीरज बवाना गैंग के दो प्रमुख सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। दोनों राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास दर्ज हत्या और मारपीट समेत कई आपराधिक मामलों में शामिल थे। गिरफ्तार सदस्यों की पहचान मोहित (29) और नितिन (28) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, मोहित सिंडिकेट के सबसे महत्वपूर्ण सदस्यों में से एक है और गैंग को हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति करता रहा है।

स्पेशल सेल के विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने कहा कि 2 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि मोहित किसी वारदात को अंजाम देने के लिए शाम करीब 5 बजे द्वारका मेट्रो स्टेशन के पास आ रहा है।

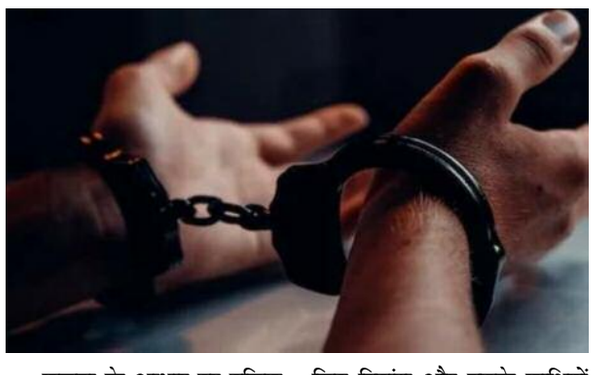

सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर मोहित को नितिन के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि मोहित पिछले साल रोहतक में मारे गए हिमांशु भाऊ का चचेरा भाई था। उसकी हत्या का बदला लेने के लिए हिमांशु और उसके साथियों ने हंसराज ठेकेदार की हत्या की।

एचजीएस धालीवाल ने कहा कि मोहित ने हत्यारों को शरण दी थी और इसीलिए उसे अपराधियों को शरण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह मैदान गढ़ी इलाके में मारपीट के एक मामले में भी शामिल था, जहां उसने नितिन समेत अपने साथियों के साथ मिलकर दीपक नाम के व्यक्ति को पीटा था।

वह टेलीग्राम और स्नैपचैट के जरिए हिमांशु के संपर्क में था। उसने कई मौकों पर उसके निर्देश पर गैंग के सदस्यों को पैसे और हथियार मुहैया कराया था। 2 अगस्त को भी, वह गैंग के सदस्यों को अवैध हथियार व गोला-बारूद की आपूर्ति करने जा रहा था जब पुलिस ने उसे सह-आरोपी नितिन के साथ पकड़ लिया।

दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर, चेतावनी स्तर से नीचे पहुंचा यमुना का पानी

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का उफान कम होने लगा है। बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे पुराना लोहा पुल के पास यमुना का जलस्तर चेतावनी के स्तर से नीचे 204.42 मीटर था।

हिमाचल प्रदेश में हो रही वर्षा के कारण दिल्ली में यमुना का पानी बढ़ने लगा था। मंगलवार सुबह यह चेतावनी स्तर 204.50 मीटर के ऊपर और रात में खतरे के निशान 205.50 मीटर से ऊपर पहुंच गया था।

इससे दिल्ली के निचले क्षेत्र में पानी भरने का खतरा उत्पन्न हो गया था। बुधवार रात 10 बजे यह पुराना लोहा पुल के पास खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर पहुंच गया था। 29 जुलाई के बाद पहली बार यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचा

था। बुधवार सुबह छह बजे तक यह खतरे के निशान से ऊपर यमुना बह रही थी लेकन सात बजे इससे नीचे आ गई है।

हथनी कुंड से छोड़ा गया था ज्यादा पानी

सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हथनी कुंड से ज्यादा पानी छोड़े जाने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई थी। सोमवार सुबह नौ बजे 75 हजार क्यूसेक से ज्यादा हो गया था। यह 26 जुलाई के बाद सबसे अधिक है। सोमवार देर रात को भी 75 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया था।

मंगलवार को प्रति घंटे 30 हजार से 55 हजार क्यूसेक तक पानी छोड़ा गया। अब इसमें कमी आई है। बृहस्पतिवार को सुबह प्रति घंटे लगभग 14 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। 13 जुलाई को दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर रिकॉर्ड 208.66 मीटर तक पहुंच गया था जिससे बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। कई दिनों आम जनजीवन बाधित रहा था।

जी-20 सम्मेलन के लिए दिल्ली के अस्पताल भी अलर्ट, 128 डॉक्टर किए गए प्रशिक्षित

नई दिल्ली। जी-20 सम्मेलन के मद्देनजर अस्पताल भी अलर्ट किए गए हैं। उनमें पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) का आपदा प्रबंधन सेल डॉक्टरों को प्रशिक्षित भी कर रहा है।

इसी क्रम में डीजीएचएस की पहल पर एम्स ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों के चिकित्सा अधिकारी स्तर के 128 डॉक्टरों को एडवांस कार्डियक लाइफ सपोर्ट का प्रशिक्षण दिया है। इन डॉक्टरों की जी-20 सम्मेलन के दौरान ड्यूटी लगाई जाएगी, ताकि किसी तरह की चिकित्सकीय इमरजेंसी होने पर तुरंत इलाज की सुविधा मिल सके।

एम्स ने डॉक्टरों को यह प्रशिक्षण अपने सेट (स्किल, ई-लर्निंग, टेलीमेडिसिन) सुविधा केंद्र के सिमुलेशन लैब में प्रशिक्षण दिया। डॉक्टरों को बताया गया कि हार्ट अटैक आने पर किसी मरीज को कैसे बचाना है, ताकि मरीज को

कार्डियक अरेस्ट (धड़कन बंद हो जाना) होने से बचाया जा सके। उन्हें मौके पर ही धड़कन को स्थिर करने, जांच करने और दवा देने की तकनीक बताई गई।

इसके अलावा एम्स के क्रिटिकल केयर के विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण के दौरान डॉक्टरों को मरीजों को वेंटिलेटर सपोर्ट देने की तकनीक भी बताई गई। डीजीएचएस के अतिरिक्त निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जुलाई में डॉक्टरों का प्रशिक्षण शुरू किया गया था। एम्स में अगल-अलग चार बैच में 128 डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया गया।

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में दिया जा रहा प्रशिक्षण

जैविक हमले की स्थिति में भी बचाव का प्रशिक्षण डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि इन डॉक्टरों को रसायनिक और जैविक हमलों की स्थिति में बचाव का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने कहा कि आगे भी डॉक्टरों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम जारी रहेगा। एम्स के डॉक्टरों को समय मिलने पर वे दिल्ली सरकार के अस्पतालों में जाकर भी प्रशिक्षण देंगे। जी-20 सम्मेलन के मद्देनजर एम्स, आर्मी अस्पताल, सफदरजंग, आरएमएल और लोकनायक अस्पताल में विशेष व्यवस्था की गई है।

खिलौना- इंडिया टॉयज एंड गेम्स फेयर 2023 का आयोजन

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। भारत खिलौने और खेल मेला सेक्टर की निर्यात क्षमता संवर्धन की दिशा में उद्योग के खिलाड़ियों के साथ एमएसएमई उद्यमों को एक मंच हेतु खिलौना-इंडिया टॉयज एंड गेम्स फेयर 23 का आयोजन विदेशी खरीदारों, घरेलू व्यापार और उपभोक्ताओं के लिए तीन दिवसीय मेले के दूसरे संस्करण के उद्घाटन आयोजन का गौरव बढ़ाने के लिए हस्तनिर्मित खिलौनों और क्षेत्रीय खिलौना शिल्प के कलेक्टिबल उत्पादों का विशेष वर्गीकरण ग्रेटर नोएडा/ दिल्ली एनसीआर - 17 अगस्त 2023 - हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा आयोजित खिलोना-इंडिया टॉयज एंड गेम्स फेयर के दूसरे संस्करण का आयोजन 18-20 अगस्त 2023 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर किया जा रहा है। ईपीसीएच की अवधारणा पर हो रहे इस बी2बी आयोजन को कपड़ा मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सहयोग से किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय खिलौनों और खेल क्षेत्र के व्यापक प्रतिनिधित्व को एक साथ लाना है ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने बताया, खिलौना-इंडिया टॉयज एंड गेम्स फेयर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के खिलौनों और खेलों में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है। जैसा कि भारत इस सेगमेंट में भी मैन्यूफैक्चरिंग में अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर रहा है, ऐसे इस सेगमेंट में एक वैश्विक सोर्सिंग हब बनने के लक्ष्य के साथ यह आयोजन किया जा रहा है।" अपनी बात को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा, खिलोना का उद्देश्य एक ऐसे

पूरे स्पेक्ट्रम को एक मंच पर लगाना है जिसमें 150 से अधिक उद्योग-व्यवसाय, छोटे और मझौले निर्यातकों, कारीगरों, उद्यमियों, डिजाइनरों और शिल्पियों से लेकर भारत के अग्रणी निमार्ता निर्यातकों तक का क्रास सेक्शन शामिल हो। इस आयोजन में 12 डिस्प्ले सेगमेंट में 24 उत्पाद श्रेणियां शामिल होंगी जिनमें बच्चों के कमरे के लिए सहायक उपकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स, बैक टू स्कूल श्रेणियां, साइकिल और पैडल व्हील, बोर्ड गेम्स, भवन और निर्माण, पात्र और संग्रहणीय वस्तुएं, गुड़िया और अन्य समान खिलौने, शैक्षिक खिलौने , इलेक्ट्रॉनिक और सटीक खिलौने, खेल और पहेलियाँ, विरासत खिलौने, हॉबी सेट, शिशु खिलौने, अभिनव खिलौने, संगीत वाद्ययंत्र, आउटडोर अवकाश और खेल, सवारी और खींचने वाले खिलौने, रिमोट नियंत्रित खिलौने, नरम खिलौने, सदस्यता किट, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल खिलौने, पारंपरिक और शिल्प खिलौने और विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए खिलौने जैसे उत्पाद शामिल होंगें। इस अवसर पर आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने साझा किया, खिलौना भारत के खिलौने और खेल उद्योग के भविष्य के लिए बड़ी महत्वाकांक्षाओं को दशार्ता है। इसके साथ ही यह आयोजन खिलौना निमार्ताओं, मुख्य रूप से एमएसएमई और पारंपरिक खिलौना निमार्ताओं को अपने आकर्षण को बढ़ाने के लिए आवश्यक बाजार लिंकेज प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। ऐसी उम्मीद है कि यह आयोजन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की उपस्थिति और विदेशी बाजारों में खिलौनों ,गेम्स व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अपनी बात को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित खिलौनों और खेलों की श्रृंखला सांस्कृतिक विविधता को दशार्ती है, वे कालातीत, एजलेस और इंटरैक्टिव हैं। गुड़िया, सॉफ्ट टॉयज, छोटे बच्चों और शिशुओं, प्री-स्कूल और बोर्ड गेम जैसी खिलौनों की श्रेणियों में कारीगरों का बहुत अधिक श्रम लगता है और इन श्रेणियों में मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ाने की बहुत संभावना है। खिलौना आयोजन दुनिया भर के खरीदारों और व्यवसायियों के लिए पारंपरिक, आधुनिक और भविष्य के खिलौनों के निमार्ताओं के साथ नेटवर्क और साझेदारी करने का एक विशेष अवसर है। इसके अलावा यह आयोजन भारतीय खिलौने और गेम्स उद्योग से संबंधित विभिन्न प्रमुख पहलुओं के बारे में मशहूर नीति निमार्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों से समझने; नए रुझानों और अवसरों के बारे में जानने और रणनीतिक बी 2 बी गठबंधन बनाने का भी बहुत बड़ा अवसर है ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने इस अवसर पर कहा,"उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शकों की एक प्रभावशाली श्रृंखला के साथ, यह आयोजन खिलौनों और खेलों में नवीनतम रुझानों, डिजाइनों और खिलौनों और गेम्स सेक्टर में हो रही प्रगति से रूबरू होने के लिए एक प्रमुख मंच होने का वादा करता है। आगंतुक पारंपरिक खिलौनों और खेलों, कलेक्टिबल उत्पादों, नवाचारों और उच्च गुणवत्ता वाले निर्मित खिलौनों में भारत की ताकत देख सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा में कमरे में मिला महिला का शव : बदबू आने पर हुई जानकारी

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा । बिसरख थाना क्षेत्र के चिपियाना में एक बंद कमरे में महिला का शव मिला। कमरे का बाहर से ताला लगा हुआ था। बदबू आने पर मकान मालिक ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दरसअल, बुधवार को मकान नंबर 36 कमल एनक्लेव बलवंत बिहार चिपियाना बुजुर्ग निवासी संजय ने करीब 12 बजे थाना बिसरख को सूचना दी कि मेरे मकान के फर्स्ट फ्लोर पर स्थित एक रूम के अंदर बदबू आ रही है। इस पर थाना बिसरख पुलिस द्वारा पहुंचकर कमरे को खोल कर देखा तो एक महिला का शव कमरे के अंदर मृत अवस्था में मिला। बुधवार को महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई। इसके बाद पुलिस ने महिला की शिनाख्त को लेकर इसकी जानकारी आसपास के जिलों और थानों को भेजी। जिस पर बिसरख पुलिस को गाजियाबाद पुलिस से सूचना मिली कि इंदिरापुरम थाना क्षेत्र से 11 तारीख को एक महिला के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद उसके पति को महिला की शिनाख्त के लिए बुलाया गया। इसके बाद पति ने बताया कि यह मेरी ही पत्नी है जो 11 अगस्त को घर से अचानक कहीं चली गई थीं। महिला की पहचान मीना (30) के रूप में हुई। महिला के पति पवन के द्वारा 11 तारीख को इंदिरापुरम थाने में मीना की गुमशुदी दर्ज कराई गई थी। यह लोग मूल रूप से महोबा के रहने वाले हैं। बिसरख थाना प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया कि महिला का शव 3 से 4 दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। और महिला के गले पर भी निशान है। मकान मालिक द्वारा बताया कि मेरा किरायेदार राकेश नाम का व्यक्ति इस महिला को 11 अगस्त को लेकर आया था जो अभी फरार है। फिलहाल पुलिस आशंका जता रही है कि राकेश ने महिला की गला घोटकर हत्या की है और उसके बाद राकेश कमरे का ताला लगाकर फरार हो गया है।

नोएडा में चलती कार बनी आग का गोला:शॉट सर्किट से लगी आग पेट्रोल टैंक तक पहुंची, चालक ने कूदकर बचाई जान

नोएडा । सेक्टर 67 गोल चक्कर के पास एक चलती कार में आग लग गई। आग से कार पूरी तरह जल गई। वहां मौजूद लोगों ने दमकल विभाग को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया इस दौरान जाम की स्थिति बन गई। हालांकि आग बुझाने के बाद क्रेन से कार को साइड में किया गया। इसके बाद ट्रैफिक सामान्य हो सका। घटना बुधवार रात की बताई जा रही है। सुभाष चंद्र सेक्टर 63 से जॉब के बाद अपनी फोर्ड फिएस्टा कार वढ13 अउ 5068 से रात के समय अपने घर गांव सेथली थाना जारचा जा रहे थे। सेक्टर-67 के पास अचानक उनकी कार में आग लग गई। इसके बाद उन्होंने गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे ने बताया, प्राथमिक जांच में पता चला की आग लगने की वजह शॉट सर्किट है। आग काफी तेजी से फैली और पेट्रोल टैंक तक पहुंच गई। दमकल की एक गाड़ी ने पहुंचकर आग पर काबू पाया।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 80 किलो गांजे के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने बृहस्पतिवार को दो युवकों को 80 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया। इसके साथ ही पुलिस ने विभिन्न स्थानों से मादक पदार्थ बेचने के आरोप में आधा दर्जन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के कार्यालय ने बताया कि बीटा-दो थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा और उनके दल ने एक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आज सुबह हौंडा चौक के पास से दो गांजा तस्करों राजेश तथा सुभाष को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी एक स्विफ्ट कार में करीब 80 किलो गांजे को बेचने जा रहे थे। इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि इसके अलावा बीटा-दो थाने के पुलिस दल ने बीती रात चुनु और अमित को भी दो किलो गांजे के साथ गिरफ्तार कर एक मोटरसाइकिल बरामद की। नोएडा सेक्टर-63 के पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि एक अन्य घटना में जितेंद्र नामक युवक को बीती रात पुलिस ने एक किलो 100 ग्राम गांजे सहित गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसी सेक्टर में नरेंद्र नामक युवक को 110 पव्वे अवैध शराब बरामद करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश मार्का शराब के 61 पव्वे सहित रामकिशोर को गिरफ्तार किया गया।

आजादी के तराने विषय पर गोष्ठी संपन्न

संवाददाता

गाजियाबाद। वीरवार 17 अगस्त 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में "आजादी के तराने" विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 566 वां वेबिनार था।केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि वीर शहीदों ने अपने जीवन को राष्ट्र के लिए आहूत करके आजादी के तराने लिखे। उनके बलिदान के कारण ही आज हम आजादी में सांस ले पा रहे हैं।किसी भी राष्ट्र का इतिहास उसके युवाओं के बलिदान से ही लिखा जाता है और भारत मां शेरों की जननी है इसकी रक्षा के लिए अनेकों क्रांतिकारियों ने बलिदान दिया है तब यह आजादी का दिन आया है।अब भावी पीढ़ी का कर्तव्य है कि वह आजादी की रक्षा करें।उन्होने धारा 370 हटाने के निर्णय का पुरजोर स्वागत किया उन्होने बताया कि वह स्वयं एक सप्ताह कश्मीर देख कर आए हैं पूरा वातावरण शांत, समृद्ध,प्रेम से परिपूर्ण हो गया है।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया और अध्यक्ष विजय कपूर ने राष्ट्र रक्षा की शपथ दिलाई।गायिका प्रवीणा ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, जनक अरोड़ा, रचना वर्मा, सुनीता अरोड़ा, वीरेन्द्र कुमार, दीप्ति सपरा, निताशा कुमार, राजश्री यादव,नरेश खन्ना,सरला बजाज,सुनीता बुग्गा आदि ने देश भक्ति पूर्ण गीत सुनाए।

सेंट्रल नोएडा में कैब लूट की घटना का खुलासा

संवाददाता

नोएडा। सेंट्रल नोएडा जोन में दो दिन पहले हुई कैब लूट की घटना का बिसरख पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों का एक अन्य साथी फरार है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई कार, स्मार्ट वाच, लूटी गई रकम में से ढाई हजार रुपए, तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। हमीरपुर के रहने वाला आकाश सिंह ग्रेटर नोएडा स्थित सेक्टर म्यू-2 में किराए के मकान में रहता है। वह कैब चलाता है। बीते 13 अगस्त को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इटैडा गोल चक्कर पर दो अज्ञात युवकों ने उसकी कैब को मथुरा वृंदावन जाने के लिए बुक किया था। मथुरा वृंदावन पहुंचकर उन्होंने कहा कि

उन्हें वापस ग्रेटर नोएडा जाना है। वहीं जाकर कैब का किराया भी चुका देंगे। आकाश कैब लेकर मथुरा से ग्रेटर नोएडा के लिए चल पड़ा। देर रात लगभग 9:30 बजे परी चौक से कुछ पहले यमुना एक्सप्रेस-वे पर कार सवार युवकों ने कैब को पेशाब करने के बहाने रूकवाया। मौका पाकर आरोपियों ने चालक को हथियारों के बल पर बंधक बनाकर कार की पीछे की सीट पर डाल दिया। आरोपियों ने उससे नगदी, कीमती सामान और कैब लूट ली। मौका पाकर पीड़ित को सड़क किनारे डालकर फरार हो गए। पीड़ित किसी तरह बिसरख कोतवाली पहुंचा और इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और बदमाशों की तलाश में जुट गई । बिसरख पुलिस ने मुखबिर और बीट पुलिसिंग की मदद से दो आरोपियों को चिपियाना से एकमूर्ति आने वाले 6 प्रतिशत रोड पर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने लूटी गई कैब को खाली पार्किंग में खड़ा कर दिया था। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। सेंट्रल नोएडा के एडीसीपी राजीव दीक्षित ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरूण और चन्द्रपकाश उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। चन्द्रप्रकाश गाजियाबाद के न्यू विजयनगर का रहने वाला है। जबकि तरुण उत्तर प्रदेश के औरया जिले का रहने वाला है। वर्तमान में वह गाजियाबाद के विजयनगर सेक्टर-9 में रहता था।आरोपी डिलीवरी बॉय की नौकरी करते थे। कुछ समय पूर्व उनकी नौकरी छूट गई थी। नौकरी छूटने से उनकी आर्थिक हालात बिगड़ गई। रुपए कमाने के लिए उन्होंने अपने तीसरे साथी के साथ मिलकर कैब लूट की योजना बनाई थी। आरोपियों की लूटी गई कैब से लूट की अन्य वारदातों को अंजाम देने की योजना थी। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और फरार चल रहे बदमाश की तलाश कर रही है।

संक्षिप्त डायरी

सांसद सुरेन्द्र नागर के स्वागत कार्यक्रम के लिए बिसरख ब्लॉक प्रमुख ने किया जनसंपर्क

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। 20 अगस्त को ग्रेटर नोएडा मे राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर के होने वाले स्वागत कार्यक्रम के लिए उनके करीबी बिसरख ब्लॉक के प्रमुख पति ओमपाल प्रधान ने लगभग एक दर्जन ग्राम पंचायतों मे जनसंपर्क करते हुए लोगो से कार्यक्रम में पहुँचने की अपील की। ओमपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर को भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी है जो क्षेत्र व समाज के लिए गर्व की बात है। आगामी 20 अगस्त को ग्रेटर नोएडा मे सेक्टर पाई के रामलीला ग्राउंड में सुरेन्द्र नागर का स्वागत समारोह रखा गया है। इसी कार्यक्रम के लिए पिछले दो दिनों मे बिसरख ब्लॉक के,दुजाना, बादलपुर,कचेडॉ, दुरयाई,छिडोली, प्यावली,रसूलपुर, महावड़, महक इको सिटी आदि अनेक जगह पर सभाएं कर लोगों से कार्यक्रम में आने की अपील की। इस अवसर पर श्यामेन्द्र प्रधान,अरविंद प्रधान,मास्टर भूपेन्द्र नागर, नरेन्द्र नंबरदार,श्याम नागर एवं राजेश नागर की उपस्थिति रही।

कार की छत पर लेटकर स्टंट करने वाले युवक को तलाश रही है नोएडा पुलिस

संवाददाता

नोएडा । नोएडा पुलिस उस युवक की तलाश कर रही है जिसका कार की छत पर लेटकर स्टंट करते हुए 19 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। गौतमबुद्ध नगर के पुलिस उपायुक्त (यातायात) अनिल कुमार यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि अपने साथ ही दूसरों की जान को खतरे में डालते हुए स्टंट किए जाने की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है और सोशल मीडिया के जरिए भी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि गाड़ी के नंबर के आधार पर युवक की पहचान की कोशिश की जा रही है और यातायात पुलिस तथा संबंधित थाने को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो सेक्टर-24 थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है और वीडियो में कार का नंबर भी दिख रहा है। रात के समय इस घटना का वीडियो किसी राहगीर ने बनाया था। उसने सोशल मीडिया पर वीडियो के साथ यातायात और नोएडा पुलिस के अधिकारियों को टैग करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की अपील की है।

नोएडा मेट्रो ने काउंटर टिकटों के लिए यूपीआई भुगतान सुविधा शुरू की

संवाददाता

नोएडा । नोएडा मेट्रो में यात्रा करने वाले जिन यात्रियों के पास टिकट खरीदने के लिए खुले पैसे नहीं हैं, वे अब रेल नेटवर्क के सभी स्टेशनों पर यूपीआई भुगतान सुविधा का उपयोग करके परेशानी से बच सकते हैं। नोएडा मेट्रो रेल निगम (एनएमआरसी) के प्रबंध निदेशक लोकेश एम. ने बृहस्पतिवार को सेक्टर 51 मेट्रो स्टेशन पर यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान सुविधा की शुरूआत की। एनएमआरसी के एक अधिकारी ने कहा, "नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो कॉरिडोर के सभी स्टेशनों पर काउंटरों से टिकट खरीदने के लिए यूपीआई सुविधा अब शुरू हो गई है।" अधिकारी ने कहा कि काउंटर पर टिकट खरीदने के लिए नकद, क्रेडिट और डेबिट कार्ड या स्टेशनों पर ग्राहक सेवा केंद्र पर एनएमआरसी स्मार्ट कार्ड का उपयोग सामान्य रूप से जारी रहेगा। नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन गौतमबुद्ध नगर जिले में नोएडा और ग्रेटर नोएडा शहरों को जोड़ती है। 29.7 किलोमीटर लंबी इस लाइन पर 21 स्टेशन पड़ते हैं।

पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना के तहत

जनपद स्तरीय स्वीकृत समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। डीएम के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में अन्य पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना के तहत जनपद स्तरीय स्वीकृत समिति की बैठक संपन्न। जनपद स्तरीय स्वीकृत समिति की बैठक में शादी अनुदान के लिए प्राप्त 6 आवेदन को मिली स्वीकृति। मुख्य विकास अधिकारी ने शादी अनुदान योजना को लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के अधिकारियों को दिए निर्देश। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अन्य पिछड़ा वर्ग के गरीब परिवारों की पुत्रियों की शादी के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना संचालित की जा रही है। आज जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अन्य पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना के तहत जनपद स्तरीय स्वीकृत समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें मा० एमएलसी श्रीचंद शर्मा, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, जिला अध्यक्ष विजय भाटी, जिला समाज कल्याण

अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश सिसोदिया तथा अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश सिसोदिया ने जिला स्तरीय स्वीकृत समिति को अवगत कराया कि जनपद में अन्य पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से गरीब परिवारों की पुत्रियों की शादी के लिए शासन द्वारा अधिकतम अनुदान की धनराशि ₹20000 प्रति पुत्री देय है, जिसके लिए विभागीय वेबसाइट http://shadianudan.upsdc.gov.in पर लाभार्थी द्वारा स्वयं आवेदन करना अनिवार्य होता है। उन्होंने बताया कि उक्त योजना के तहत अनुदान प्राप्त करने के लिए आय प्रमाण पत्र (शहरी क्षेत्र में अधिकतम आए 56460 रुपए वार्षिक तथा ग्रामीण क्षेत्र में अधिकतम आय 46080 रुपए होनी चाहिए), जाति प्रमाण पत्र, आवेदक का आधार कार्ड, शादी का कार्ड, आवेदक की बैंक की कॉपी, पुत्री की उम्र का प्रमाण पत्र आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी बताया कि एक आवेदक अधिकतम दो पुत्रियों की शादी के अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना के तहत जनपद में वर्तमान तक 14 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 3 अस्वीकृत हुए, 5 लंबित चल रहे हैं एवं जिला स्तरीय स्वीकृति समिति के द्वारा आज 6 आवेदन को स्वीकृति दी गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जनपद में अन्य पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जाए एवं विभागीय अधिकारियों के द्वारा जनपद के माननीय जनप्रतिनिधियों के साथ भी समन्वय स्थापित करते हुए योजना का प्रचार प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी योजना से जागरूक होकर इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठा सकें। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में आवेदकों की संख्या को बढ़ाने की दिशा में विशेष बल दिया जाए और जो आवेदन लंबित चल रहे हैं, उनका निस्तारण भी जल्द से जल्द करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कैंटर की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

रेवाड़ी। बाइक में पेट्रोल डलवाकर घर लौट रहे पिता-पुत्र की तेज रफ्तार केंटर की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद केंटर चालक फरार हो गया। जैसे ही यह खबर उनके गांव टांकड़ी पहुंची तो वहां मातम छा गया। जानकारी के अनुसार बावल क्षेत्र के गांव टांकड़ी का 37 वर्षीय दीपक बावल औद्योगिक क्षेत्र की एक प्राइवेट कंपनी में सुपरवाइजर था। वह बीती शाम को अपनी बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए निकटवर्ती गांव मोहनपुर स्थित पंप पर गया था। उसकी बाइक पर 12 वर्षीय बेटा भवदीप भी सवार था। पेट्रोल डलवाकर जब वह अपने घर लौट रहा था तो कुछ ही दूरी पर रेवाड़ी-शाहजहांपुर मार्ग पर पीछे से आए एक तेज रफ्तार केंटर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर होते ही पिता-पुत्र दूर सडक़ पर जा गिरे। जब दोनों को अस्पताल ले जाया गया तो वहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। टक्कर के बाद केंटर चालक फरार हो गया। बावल थाना पुलिस ने दीपक के चाचा सेना से रिटायर्ड कै. भीम सिंह चौहान की शिकायत पर फरार कैंटर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 20 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

करनाल। हरियाणा के शिक्षा मंत्री ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले 20 प्रतिभाओं को जिला प्रशासन की और से प्रशांसा पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा परेड में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने प्लाटूनों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाली टीमों को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री ने इससे पहले स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों व युद्ध वीरांगनाओं को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर उपायुक्त अनीश यादव ने शिक्षा मंत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। ये प्रतिभाएं हुई सम्मानित स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिक्षा मंत्री ने नशा मुक्ति के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर मनोचिकित्सक डॉ. ममन गुप्ता, बाढ़ राहत के क्षेत्र में स्वस्थ कैम्पों के आयोजन के लिए डॉ. प्रदीप कुमार, करनाल शहर में जल भराव की समस्या से बचाव में सराहनीय कार्य करने के लिए नगर निगम के सहायक अभियंता सुनील भल्ला, सरकारी सेवाओं के अतिरिक्त सामाजिक कार्यों व बाढ़ से बचाव के राहत कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान देने वाले सिंचाई विभाग के एसडीओ मनीष राठी व जूनियर इंजिनियर दीपक, शिक्षा के क्षेत्र में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल देवीपुर के प्रधानाचार्य गजेंद्र कुमार को सम्मानित किया गया। शिक्षा मंत्री ने इसी प्रकार से साईबर और सीसीटीएनएस के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के लिए पुलिस निरीक्षक करनाल रेंज के एएसआई धर्मपाल, मुख्य सिपाही चरण सिंह, बहादूरी का परिचय देते हुए पानी में डूब रही एक महिला की जान बचाने पर ईएसआई सतीश कुमार, एसपीओ जयकुमार व रामपाल, फसल अवशेष प्रबंधन के क्षेत्र में सहरानीय कार्य करने वाले कृषि विभाग के सुपरवाईजर मोहित कुमार, स्वच्छता अभियान व शहर में सफाई के कार्य में अनुकरणीय योगदान देने पर नगर निगम के कार्यालय के सहायक सफाई निरीक्षक गुलाब सिंह, बाढ़ राहत के कार्य में सहरानीय कार्य करने पर ग्राम सचिव कुंजपुरा सुभाष, लार्ज स्केल मैपिंग के कार्य में बेहतरीन कार्य के लिए अशोक पटवारी, जन संवाद कार्यक्रम, अंतराष्ट्रीय योगा दिवस, सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत बेहतरीन सेवाएं देने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय के डाटा इंट्री ओपरेटर संजय कुमार, डयूटी के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने के लिए उपायुक्त कार्यालय के स्वीपर नीरज, सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान देने वाले व बहादूरी का परिचय देने पर यमुना नदी में डूब रही महिला की जान बचाने पर जिला आदेशक होम गार्ड कार्यालय के वालटियंर राजेश कुमार, फिजिकल एजुकेशन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के लिए प्रताप पब्लिक स्कूल जरनैली कॉलोनी फिजिकल एजुकेशन टीचर कर्ण सिंह तथा लान टेनिस खेल क्षेत्र में अंतराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर करनाल जिला का प्रतिनिधित्व करने पर माडल टाउन निवासी टेनिस प्लेयर रणबीर सिंह को सम्मानित किया। बॉक्स:- परेड की ये टुकडियां हुई सम्मानित शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने परेड में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाली प्लाटुनों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इनमें हरियाणा पुलिस पुरुष वर्ग की प्लाटून प्रथम, हरियाणा पुलिस महिला वर्ग की प्लाटून द्वितीय तथा होम गार्ड की प्लाटून तीसरा स्थान हासिल करने पर सम्मानित हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में ये टीमें हुई सम्मानित शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाली टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इनमें जिमनास्टिक वर्ल्ड एकेडमी प्रथम, करनाल के विभिन्न राजकीय स्कूली की छात्राओं का हरियाणवी नृत्य द्वितीय तथा डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की टीम तीसरे स्थान के लिए सम्मानित हुई। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष योगेन्द्र राणा, मेयर रेनू बाला गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, पिछड़ा वर्ग आयोग की चेयरपर्सन निर्मला बैरागी, हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष आजाद सिंह, हरियाणा व्यापार आयोग के सदस्य व जिला व्यापार मंडल के अध्यक्ष कृष्ण लाल तनेजा, भाजपा नेता अमरनाथ सौदा, एडवोकेट संजय मदान, जेजेपी के जिला अध्यक्ष गुरदेव रम्बा तथा जिला प्रशासन की ओर से करनाल पुलिस रेंज के आईजी सतेंद्र कुमार गुप्ता, उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, एडीसी डॉ. वैशाली शर्मा, एएसपी पुष्पा, डीएसपी सुरेश कुमार, एसडीएम अनुभव मेहता, सीटीएम अमन कुमार, डीडीपीओ राजबीर खुडिया तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापारी वर्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करे प्रदेश सरकार-पवन बुवानीवाला

भिवानी। हरियाणा में जंगलराज कायम है। रोज प्रदेश में व्यापारी व आम जनता के साथ ठगी, लूटपाट, हत्या, फिरौती व चोरियों की वारदातें हो रही हैं, मगर सरकार अपराध पर अंकुश लगाने की बजाए आंख मूंद कर तमाशा देख रही है। प्रदेश सरकार को चाहिए की हरियाणा में व्यापारी वर्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करे। यह बात स्थानीय अशोका रोड स्थित अपने आवास पर आयोजित व्यापारियों की बैठक को संबोधित करते हुए हरियाणा व्यापार मंडल

के प्रदेश महासचिव डॉ. पवन बुवानीवाला ने कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों व जनता की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल सिद्ध हुई है। सरकार को व्यापारी व आम जनता की जान माल की सुरक्षा के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने वर्धमान ज्वेलर्स में दिनदहाड़े हुई ठगी की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने बताया कि वर्धमान ज्वैलर्स में हुई दिनदहाड़े ठगी के आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर व्यापारी वर्ग भिवानी के पुलिस अधीक्षक वरुण सिगला को मांगपत्र भी सौप चुका है। इस अवसर पर भारी संख्या में व्यापारी वर्ग के लोग उपस्थित रहे।

रेवाड़ी में हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार, देसी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस मिले

रेवाड़ी। जिले के कोसली कस्बा में पुलिस ने एक बदमाश को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। उसके खिलाफ कोसली थाना में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई

दरअसल, कोसली थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव जखाला निवासी मामन आपराधिक किस्म का लड़का है और अभी मुबारिकपुर चौक से अपने गांव की तरफ चला है। उसके पास देसी कट्टा है। पुलिस टीम ने सूचना मिलने के तुरंत बाद मामन का पीछा किया।

देसी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद

गांव जखाला से करीब 200 मीटर पहले नहर के पुल के पास पुलिस को संदिग्ध शख्स बैठा दिख गया। पुलिस ने जब उसे पकड़ने की कोशिश की तो वह खेतों की तरफ भाग गया। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा कर दबोच लिया। उसकी तलाशी ली तो एक देसी कट्टा व 2 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। आरोपी के खिलाफ कोसली थाना में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। साथ ही आरोपी मामन से पूछताछ की जा रही है कि वह हथियार कहां से लेकर आया और कौन सी वारदात करने की फिराक में था।

पशुधन का बीमा कराना पशुपालक सुनिश्चित करें: उपायुक्त

पानीपत। उपयुक्त डॉ. वीरेद्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुधन का बीमा किया जा रहा है। पशुपालक सरकार की स्कीम का लाभ लेकर अपने पशुओं का बीमा करवाना सुनिश्चित करें।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के जिला उपनिदेशक डॉ संजय अंतिल ने पशुधन बीमा योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग हरियाणा द्वारा पूरे राज्य में पशुधन का बीमा किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीण अंचल में सभी प्रकार के पशु जैसे गाय, भैंस, घोड़ा, गधा, बकरी, भेड़, सूअर सभी का बीमा किया जा रहा है। विभाग के उपनिदेशक ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा पशु पालक इस योजना का लाभ ले तथा अपने पशुओं का बीमा कराए। उन्होंने बताया कि पशु का बीमा 1 वर्ष के लिए होगा तथा इस दौरानअगर पशु को कुछ हो जाता है तो बीमा कवरेज लेकर पशुधन बीमा योजना के तहत अपने पशु का बीमा कवरेज के एवज में एवज में बीमित राशि का दावा कर सकते हैं तथा दावा प्राप्त करके अपनी क्षति पूर्ति कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति के पशुपालकों के पशुओं का बीमा बिल्कुल फ्री किया जा रहा है तथा सामान्य वर्ग के पशु पालकों के पशुओं का बीमा भी बहुत ही कम राशि 200 रुपए में विभाग द्वारा ही किया जा रहा है। उन्होंने पशुपालकों से आह्वान किया कि वे अपने पशुओं का बीमा कराने के लिए अपने गांव के नजदीकी पशु संस्था में जाकर इस योजना का लाभ ले सकते है।

अगस्त माह के साथ मिलेगा जुलाई का सरसों तेल

पानीपत। जिलाभर में राशन की सरकारी दुकानों पर माह जुलाई के दौरान सरसों के तेल से वंचित रहे पात्र परिवारों को अगस्त माह में जुलाई माह का भी सरसों तेल वितरित किया जाएगा,इसके लिए लाभार्थी को अलग-अलग बायोमीट्रिक पंच करना पड़ेगा। डीएफएससी आदित्य कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला में जो लाभार्थी जुलाई माह के लिए आवंटित सरसों तेल प्राप्त करने वंचित रह गए थे,ऐसे पात्र लाभार्थियों को अगस्त माह में दोनों माह का तेल प्रदान किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन पात्र कार्ड धारकों की परिवार पहचान पत्र मे वार्षिक आय एक लाख रुपए तक है,ऐसे कार्ड धारकों को दो लिटर सरसों का तेल 20 रूपए प्रति लिटर दर से जारी किया जाएगा।

क्रांतिकारी मदनलाल धींगडा के 114वें बलिदान दिवस पर वेदप्रकाश विद्रोही ने भावभीनी श्रद्धाजंली अर्पित की

रेवाड़ी। जानेमाने क्रांतिकारी मदनलाल धींगडा के 114वें बलिदान दिवस पर स्वयंसेवी संस्था ग्रामीण भारत के अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता वेदप्रकाश विद्रोही ने अपने कार्यालय में पुष्पाजंली अर्पित करके अपनी भावभीनी श्रद्धाजंली अर्पित की। कपिल यादव, अमन कुमार, अजय कुमार व कुमारी वर्षा ने भी अपने श्रद्धासुमन शहीद मदन लाल धींगडा के प्रति अर्पित किए। इस अवसर पर विद्रोही ने कहा कि 1883 में जन्मे शहीद मदनलाल धींगडा ने मात्र 26 वर्ष की आयु में देश की आजादी के लिए अंग्रेजी हुकूमत के जुल्म खिलाफ लड़ते हुए 17 अगस्त 1909 को अपना बलिदान देश के लिए दे दिया। मदन लाल जैसे क्रांतिकारियों का देश की आजादी के आंदोलन के इतिहास में विशेष महत्व है। 23 वर्षीय युवक मदन लाल धींगडा 1906 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए लंदन पहुंचे, लेकिन भारत में अंग्रेजी हुकूमत के देशवासियों पर किये जा रहे जुल्म और भारतीयों के प्रति अपनाई जा रही लगातार दमन की नीति से वे इतने क्षुब्ध थे कि उन्होंने 1 जुलाई 1909 को लंदन के इम्पीरियल इंस्टीटयूट के जहांगीर हाऊस में एक सार्वजनिक समारोह में लार्ड कर्जन वायली को गोली से उड़ाकर अपना क्रांतिकारी विरोध दर्ज कराया। लंदन में सभी प्रजातांत्रिक व न्यायिक परम्पराओं को ताक पर रखकर लंदन के सैशन जज ने मात्र 23 दिन की मुकदमे में कानूनी प्रक्रिया की खानापूर्ति करते हुए भारत के इस महान क्रांतिकारी को 23 जुलाई 1909 को फांसी का हुक्म सुना दिया व 17 अगस्त 1909 को उन्हे फांसी पर चढ़ा भी दिया गया। विद्रोही ने कहा कि क्रांतिकारी मदनलाल धीगड़ा के इस बलिदान से भारत के युवाओं में देश से अंग्रेजी साम्राज्य को उखाडने व आजादी प्राप्त करने का भारी जज्बा पैदा हुआ। मदनलाल धींगडा जैसे क्रांतिकारियों से प्रेरणा लेकर हजारों युवकों ने देश के लिए अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ लड़ते हुए अपनी कुर्बानिया हंसते-हंसते दी। विद्रोही ने कहा कि भारत के 1857 से 1947 के बीच के 90 साल के लंबे आजादी आंदोलन में क्रांतिकारी विचारधारा में विश्वास रखकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष करने वाले आजादी के लिए अपना सबकुछ कुर्बान करने वाले दीवानों व महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के झंडे के नीचे अहिसंक आंदोलन करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का अपना-अपना महत्व है। एक ओर जहां देश के लाखों लोगों ने कांग्रेस में महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई के लिए अहिंसा व सत्याग्रह को हथियार बनाकर अंग्रेजों को भारत छोडने पर मजबूर करके देश को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजी साम्राज्य से आजादी दिलवाई, वहीं मदनलाल धींगड़ा जैसे क्रांतिकारियों ने बार-बार अपने जीवन का बलिदान देश की आजादी के लिए देकर युवा शक्ति को अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ लड़ेने की प्रेरणा दी। विद्रोही ने कहा कि देश को अपने क्रांतिकारियों, वीरों व स्वतंत्रता आंदोलन के स्वतंत्रता सेनानियों पर समान रूप से गर्व है। मदनलाल धींगडा का देश के लिए किया गया अमर बलिदान आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत है व देश की भलाई, विकास और रक्षा के लिए हमारे मन में जोश भकरकर मर मिटने की प्रेरणा देता है।

सनातन धर्म मंदिर रामनगर में हुआ भोले का जयघोष, पूर्व विधायक ने लिया आशीर्वाद

करनाल। सनातन धर्म मंदिर रामनगर में ओम नमः शिवाय जाप परिवार की ओर से ओम नमः शिवाय का सामूहिक जाप किया गया। ? शरणम, नमो शरणम, शिवाय शरणम, भोले बाबा शरणम.

से शिव स्तुति की संगीतमयी शुरुआत हुई। पूर्व विधायक सुमिता सिंह शिवमय माहौल में भोले का आशीर्वाद लेने पहुंची। पूर्व विधायक ने जहां भोले बाबा के चरणों में नमन किया वहीं सबके सुखमयी जीवन की मंगल कामना की। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता अशोक खुराना अपने जन्मोत्सव पर परिवार सहित भोले बाबा का रुद्राभिषेक करने पहुंचे सनातन धर्म मंदिर के प्रधान राधेश्याम सलूजा के भी जन्मदिवस पर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गई भोले बाबा की आराधना के लिए के एल सोडी जागरण पार्टी ने भजनों का गुणगान किया।

संगीतमय धुनों पर हरिओम नमः शिवाय का जाप किया गया! श्रद्धालुओं ने पहले भोले बाबा को

फूलों के श्रृंगार से सजाया फिर हर हर महादेव के जयकारे लगाकर भोलेनाथ को रिझाया। सबसे पहले भोले को फूलों से सजाया गया फिर चंदन के लेप से तिलक लगाकर श्रृंगार किया गया। विघ्नहर्ता भगवान गणेश की आराधना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। फिर राम नाम की माला जपी गई। राम नाम की माला से वीर बजरंगी को भी रिझाया। भजनों के बाद जनकल्याण युवा मंच के सहयोग से विशाल भंडारा लगाया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा। जाप परिवार के सेवक संजय टिक्का ने श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। शिव भक्त नरेश छाबडा, अनिल, सतीश शर्मा, शंटी सचदेवा, रोहित ग्रोवर, कपिल ढल, अशोक दुआ व इंद्रजीत शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया!

स्वतंत्रता, स्वाभिमान और संघर्ष का प्रतीक है प्यारा तिरंगा: कंवर पाल

करनाल। हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने स्थानीय अनाज मंडी में आयोजित 77वें जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण किया तथा परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट के दौरान परेड की सलामी ली। शिक्षा मंत्री ने इससे पहले शहीदी स्मारक पर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने सबसे पहले भारत माता के वीर सपूतों जिन्होंने आजादी के लिए अपने बलिदान दिए व आजादी के बाद मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर किए, को नमन किया और राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर सबको हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि आज हर भारतवासी के लिए खुशी का दिन है। आज हर गली, हर मोहल्ले में तिरंगा है। हर घर-हर दफ्तर में तिरंगा है। हर वाहन, हर हाथ में तिरंगा है। पूरा देश तिरंगे के रंगों में रंगा है। पूरा देश देश भक्ति के रंग में रंगा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा स्वतंत्रता, स्वाभिमान और संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से हम सब 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे थे। इस महोत्सव के समापन पर के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ पर शुरू किए गए, इस अभियान में देश के हर गांव व हर शहर की मिट्टी इकट्ठी की जा रही है।

मंत्री ने कहा कि आजादी के आंदोलन की पहली चिंगारी 10 मई, 1857 को हरियाणा के अम्बाला से फूटी थी। उस चिंगारी ने आगे चलकर ऐसा जन-आन्दोलन खड़ा किया, जिसके बलबूते हम सन 1947 में अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने में कामयाब रहे। इस आंदोलन के बलिदानियों की देशभक्ति से हमारी युवा पीढियां प्रेरणा हासिल करें, इसके लिए सरकार अम्बाला छावनी में शहीदी स्मारक बना रही हैं। आजादी के बाद भी 1962, 1965 व 1971 के विदेशी आक्रमण से लेकर कारगिल युद्ध तक हरियाणा के वीर जवानों ने वीरता की मिसाल पेश करते हुए देश की आजादी में निरंतर योगदान दिया है। 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान में ऐसे ही वीरों के नाम पूरे देश के गांवों के गौरव पट्ट पर अंकित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 9 साल में हरियाणा सद्भाव, सौहार्द, समान विकास, समरसता के साथ-साथ उन बदलावों का साक्षी रहा हैं, जिनसे हर आदमी का जीवन सरल, सुगम और सुरक्षित हुआ है। जनसेवा और जनता के बीच दीवार बन चुकी व्यवस्था को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में न केवल बदलने का काम किया गया है, बल्कि ऐसी व्यवस्था देने का प्रयास किया गया है, जिसमें जन-जन को योजनाओं और सेवाओं का लाभ सरल तरीके से प्राप्त हो। देश की आजादी से लेकर लम्बे समय तक गरीब कल्याण की बातें तो की जाती रही, लेकिन उनका लाभ पात्र तक नहीं पहुंच पाया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजना के पारदर्शी तरीके से लागू किए जाने से घर बैठे गरीब की बेटी की शादी का शगुन, बुजुर्ग, विधवा व दिव्यांगों की पेंशन, बी.पी.एल. कार्ड, चिरायु कार्ड का लाभ कम्प्यूटर की एक क्लिक से सीधे पात्र के खाते में जाता है। सरकार इस साल को 'अन्त्योदय आरोग्य वर्ष' के रूप में मना रही हैं।

रेवाड़ी में चुनावी रंजिश में मारपीट, सरपंच के ताऊ के लड़के पर हमला

दोनों पक्षों ने लड़ा था चुनाव

जबकि उसके खिलाफ चुनाव लड़ रहे बिजेन्द्र उर्फ गिल्लू चुनाव हार गए थे। देवीलाल का आरोप है कि इसी के चलते बिजेन्द्र ने उससे रंजिश रखी हुई थी। 9 अगस्त की रात वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था।

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले में पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर एक शख्स पर उसके ही गांव के पति-पत्नी ने हमला कर दिया। उसके ऊपर डंडे से वार करते हुए आंख, पैर और कमर पर चोटें मारी गई। आरोपी शख्स के पिता ने भी सरपंच का चुनाव लड़ा था। इसके बाद से ही दोनों पक्षों में तनातनी चली आ रही थी। पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज कर लिया है।

सरपंची के चुनाव में हुई रंजिश-मिली जानकारी के अनुसार, रेवाड़ी के गांव किशनपुर निवासी देवीलाल ने बताया कि उसके चचेरे भाई महेश ने गांव में सरपंची का चुनाव लड़ते हुए जीत दर्ज की थी। जबकि उसके खिलाफ चुनाव लड़ रहे बिजेन्द्र उर्फ गिल्लू चुनाव हार गए थे। देवीलाल का आरोप है कि इसी के चलते बिजेन्द्र ने उससे रंजिश रखी हुई थी। 9 अगस्त की रात वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था।

डंडे से किया हमला-तभी बिजेन्द्र उसके पास आया और गाली-गलौच शुरू कर दी। इतने में आरोपी की पत्नी भी आ गई। आरोप है कि महिला ने देवीलाल को पीछे से पकड़ लिया और बिजेन्द्र से कहा कि इसी ने तेरे बाप को सरपंची के चुनाव मे हराया है। इतना कहते ही बिजेन्द्र उर्फ गिल्लू ने अपने हाथ में लिए हुए डंडे से उसकी आंख, कमर व पैर पर चोटें मारी। आरोपी की पत्नी ने उस पर थप्पड़-मुक्के बरसाए।

मेरी माटी-मेरा देश के तहत नगर निगम की ओर से कर्ण लेक पर मिट्टी को नमन-वीरों का वंदन कार्यक्रम का आयोजन

करनाल। मातृभूमि के प्रति निष्ठाभाव और इसकी मिट्टी को नमन करने के मकसद से चालू माह अगस्त, मेरी माटी-मेरा देश के आयोजनो से सराबोर है। इसी श्रृंखला में बुधवार को नगर निगम की ओर से कर्ण लेक पर मौजूद पार्क में मिट्टी को नमन-वीरों का वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर रेनू बाला गुप्ता व नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने, निगम क्षेत्र से सम्बंध रखने वाले वीर शहीदों की याद में स्थापित एक स्मारक पट्टिका पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। शहीद परिवारों के विशेष रूप से आमंत्रित करीब दो दर्जन परिजन भी इस अवसर पर उपस्थित थे। वरिष्ठ उप महापौर राजेश अग्घी, उप महापौर नवीन कुमार, पार्षद मोनू, मुकेश अरोड़ा, वीर विक्रम कुमार व ईश कुमार गुलाटी, पार्षद प्रतिनिधि संकल्प भंडारी, राजेन्द्र सिरसी व गिन्नी विर्क, मनोनीत पार्षद विकास तंवर व दीपक गुप्ता, अतिरिक्त आयुक्त गौरव कुमार, संयुक्त आयुक्त अदिति, अधीक्षण अभियंता श्याम सिंह, उप निगम आयुक्त विनोद नेहरा के अतिरिक्त निगम कर्मचारियों ने भी शहीदों को नमन कर

श्रद्धांजलि दी।

महापौर रेनू बाला गुप्ता व निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने उपरोक्त अधिकारी व पार्षदों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया और फिर राष्ट्रीय गान हुआ। संयुक्त आयुक्त अदिति ने उपस्थित सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम को लेकर महापौर रेनू बाला गुप्ता ने अपने सम्बोधन में वीर शहीदों का स्मरण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि देश को आजादी दिलवाने वाले शहीदों की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत अमृत काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर कृतज्ञ राष्ट्रवासी, मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रमों के आयोजन से शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ देश और इसकी माटी के प्रति समर्पित हो रहे हैं। इस दौरान किए जा रहे आयोजनों को उन्होंने पवित्र कार्यक्रम कहा। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव का दूसरा काल प्रारंभ हो गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री जी ने देश के नागरिकों में देश प्रेम का जो जज्बा जगाया है, वह अपने-आप में अनुकरणीय व गौरांवित कर देने वाला है।

वीर शहीदों का जिक्र करते मेयर ने कहा कि जब भी देश की सीमाओं को किसी न ललकारा, वीर सैनिकों ने अपने प्राणो का उत्सर्ग करके देश की रक्षा की और दुश्मनों का नाको चने चबाए। उन्होंने कहा कि मेरी माटी-मेरा देश अपने आप में एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें जलवायु व पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति व सभ्यता को अक्षुण्ण रखना, प्राकृति संसाधनों का रख-रखाव और विश्व गुरू बनने की ओर अग्रसर भारत देश को हर नागरिक की ओर से अपने-अपने क्षेत्र में योगदान जैसी चीजें शामिल हैं।

इसके पश्चात नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने शहीद परिवारों के सभी परिजनों का स्वागत किया और एक शपथ दिलाई। निगमायुक्त का अनुकरण कर उपस्थित सभी ने विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के लिए हर संभव प्रयास करने, देश की समृद्ध विरासत के संवर्धन और परिरक्षण पर गर्व, एकता, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन, देश के गौरव के लिए प्राण देने वाले वीरों का सम्मान और इसकी प्रगति के लिए स्वयं को समर्पित करना तथा एक विकसित राष्ट्र के लिए 2047 के भारत के विजन को आगे बढ़ाने में योगदान देने की शपथ ली। नगर निगम क्षेत्र के तमाम शहीद परिवारों के घर से लाई गई मिट्टी को अपने हाथों में लेकर सभी ने शपथ ली।

इस अवसर पर उपस्थित शहीद परिवारों के परिजनों को महापौर व निगमायुक्त ने शाल/लोई देकर सम्मानित किया। पार्क परिसर में पोधारोपण किया गया, जिसमें मेयर, निगमायुक्त, भिन्न-भिन्न पार्षद तथा अधिकारियों व कर्मचारियों ने एक-एक पौधा लगाया।

उप निगमायुक्त विनोद नेहरा ने बताया कि मेरी माटी-मेरा देश के तहत बीती 9 अगस्त से शहर के भिन्न-भिन्न वार्डों में पार्षदों की उपस्थिति में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें पौधारोपण और शपथ दिलाई जा रही है।

हेल्थ प्लस

आधासीसी के दर्द का घरेलू इलाज

सिर में दर्द कई कारणों से होता है पर एक मुख्य कारण होता है गैस ट्रबल। गैस बढ़कर जब ऊपर चढ़ती है, पास नहीं हो पाती तो यह दिल व दिमाग पर असर करती है, इसी के परिणामस्वरूप सिर दर्द होता है। आधा सीसी का दर्द इसी प्रकार का है, जिसमें आधा सिर दुखता है और बहुत पीड़ा होती है।

- बिस्तर पर लेटकर गर्दन पाटी से बाहर लटका दें और सिर के जिस भाग में दर्द होता हो, नाक के उस भाग की तरफ वाले नथुने में सरसों के तेल की दो बूँद टपकाकर दूसरी तरफ की नाक को दबाकर जोर से साँस खींचें, ताकि तेल ऊपर चढ़ जाए। 2-3 दिन यह प्रयोग करने से आधासीसी का दर्द हमेशा के लिए चला जाता है। इस प्रयोग से सर्दी जुकाम भी ठीक हो जाता है।
- आधासीसी में लेंडी पीपल 10 ग्राम कपड़छान कर पाँच पुड़िया बना लें। प्रात:काल 50 ग्राम कलाकंद के साथ सेवन करें, फिर सो जाएँ, पानी न पिएँ ।
- शुद्ध घी में 4-5 काली मिर्च रोज तलकर सेवन करें।

चेतावनी : उपरोक्त उपाय विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए हैं लेकिन इनका प्रयोग शरीर की प्रकृति के अनुसार अथवा चिकित्सक से सलाह के पश्चात करें।

खाद्य तेल के उपयोग एवं सावधानियाँ

सेहत के लिए लाभकारी तेल का इस्तेमाल करें

दिल की बीमारी में खाने के तेल का बहुत बड़ा हाथ होता है। तेल में पाया जाने वाला कोलेस्ट्रॉल हृदय रोग का मूल कारण होता है।

कुछ बातें खाद्य तेल के बारे में आप भी जान लें-

- अलग-अलग तरह के तेल को गरम करने का तापमान भी अलग-अलग होता है, जिसे स्मोकिंग पॉइंट कहते हैं। जो तेल ज्यादा तापमान पर गर्म होने के बाद धुआँ देते हैं, वे तलने के लिए श्रेष्ठ माने जाते हैं, जैसे मूँगफली, सोयाबीन, जवास, सरसों व सूर्यमुखी का तेल।
- परीक्षणों से पता चला है कि खाने के तेल में पाए जाने वाले विटामिन ई की ज्यादा मात्रा तलते समय नष्ट हो जाती है। कड़ाही में शेष रहे तेल को चार बार से ज्यादा उपयोग में न लाएँ।
- एक बार प्रयोग कर चुके तेल को दोबारा उपयोग में लाने के पहिले उसका नीचे बैठा हुआ कचरा साफ कर लें।
- सूरजमुखी व जैतून के तेल का प्रयोग करें, यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।
- खाने का तेल सूरज की रोशनी से दूर अलमारी में रखना चाहिए।
- खाने का तेल खरीदते समय इस बात कर ध्यान रखें कि किस तेल में चिकनाई व चर्बी की मात्रा कितनी हो सकती है।
- खाने के प्रयोग में लाने वाले तेल में 8 से 10 प्रतिशत सैचुरेटेड फैट्स हो, इससे ज्यादा नहीं, क्योंकि ये खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ाते हैं।

गरदन का दर्द

गरदन का दर्द आम समस्या है, यह किसी भी उम्र वाले को हो सकता है। वैसे तो यह गंभीर नहीं होता, लेकिन ध्यान न दिया जाए तो गंभीर रूप धारण कर सकता है।

गर्दन दर्द के कई सामान्य कारण हो सकते हैं, जैसे- लेटकर व ज्यादा टीवी देखना, लम्बे समय तक डेस्क वर्क या पढ़ाई-लिखाई करना, जोर से गरदन को झटका देना, ज्यादा ऊँचे तथा कठोर तकिए का इस्तेमाल करना आदि।

गरदन दर्द का सामान्य उपचार घर पर ही किया जा सकता है। यदि यह गंभीर रूप धारण कर ले तो डॉक्टर की शरण में जाना पड़ सकता है, इसलिए इसे प्राथमिक अवस्था में ही ठीक कर लेना चाहिए।

- गरदन को घड़ी की दिशा में हल्के-हल्के पाँच या दस बार घुमाएँ, फिर यही क्रिया विपरीत दिशा में करें। इसके बाद सिर को ऊपर-नीचे व दाएँ-बाएँ घुमाएँ, ऐसा जब तक सहनीय हो करें।
- गरदन में दर्द होने पर किसी भी तेल से हलके-हलके मालिश करें या करवाएँ। मालिश हमेशा ऊपर से नीचे की ओर ही करें, यानी गरदन से कंधे की ओर करें।
- मालिश के बाद गर्म पानी की थैली से या कांच की बोतल में गर्म पानी भरकर सिकाई करें। सिकाई के बाद तुरंत खुली हवा में न जाएँ, न ही कोई ठंडा पेय पिएँ।
- लेटकर टीवी न देखें, ज्यादा समय टीवी देखना हो तो बीच-बीच में उठकर टहल लें। इसी प्रकार पढ़ाई-लिखाई व डेस्क वर्क करते समय करें।
- नर्म व कम ऊँचाई वाला तकिया प्रयोग करें। आपका बिस्तर समतल हो, झूलेनुमा न हो।

यदि फिर भी दर्द से छुटकारा न मिले तो डॉक्टर से जाँच कराएँ। बगैर डॉक्टरी सलाह के कोई भी दर्द निवारक दवा न लें। फिजियोथेरेपिस्ट के बताए अनुसार ही गरदन का व्यायाम करें।

पानी पिओ एकाग्रता बढ़ाओ

क्या आप पानी पीने के लिए प्यास लगने का इंतजार करते हैं। यदि हां, तो अपनी इस आदत में थोड़ा सुधार कर लीजिए। पानी के लिए प्यास का इंतजार नहीं करके खूब पानी पीजिए और अपनी कार्यक्षमता और एकाग्रता को बढ़ाइए। अब गर्मी का मौसम है। गर्मी में पसीने आना स्वाभाविक है। पसीने की हर एक बूंद में कई पोषक तत्त्व, नमक और पानी शरीर से बाहर निकल जाता है जिससे डिहाइड्रेशन होता है।

डिहाइड्रेशन से सिरदर्द, एकाग्रता में कमी और ऐंठन जैसी समस्याएं सामने आती हैं। इसकी वजह पर्याप्त पानी न पीना है। डायटीशियन तिलक कोठारी के अनुसार सामान्य स्थिति में हमें एक दिन में दो से तीन लीटर तरल पदार्थ की जरूरत होती है। इसको पूरा करने के लिए हम पानी के साथ दूसरी चीजें लेते हैं। पानी को हमें अपने रोजाना के तरल पदार्थ में ज्यादा तरजीह देनी चाहिए। इसमें कैलोरी और शुगर की मात्रा बहुत कम होती है।अगर गर्मी अधिक पड़ रही हो या आप एक्सरसाइज कर रहे हों, तो आपको पानी की ज्यादा जरूरत होगी। गर्म या उमस भरे मौसम में एक्सरसाइज करने से शरीर से बड़े पैमाने पर पानी बाहर निकलता है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। थोड़े से डिहाइड्रेशन से आपकी कार्यकुशलता और एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। इसलिए दिन भर में दो से तीन लीटर तक पानी पीना चाहिए। इससे आपकी कार्यक्षमता और एकाग्रता में बढ़ोतरी होगी।

इन बातों का पालन करें

स्वस्थ रहने के छोटे-छोटे टिप्स

- उड़द की दाल, सरसों का शाक, भेड़ का दूध, गुड़ की राब आदि पदार्थों का अधिक सेवन यथासंभव नहीं करना चाहिए, ये मानव स्वास्थ्य के विपरीत हैं।
- किसी भी तेल में कबूतर का माँस भूनकर खाना सेहत के लिए हानिप्रद है।
- काँसे के बर्तन में ज्यादा देर तक रखा पदार्थ, भोजन दोबारा गरम करके खाना वर्जित है।
- प्रकृति की जलवायु के अनुरूप भोजन न करें। अर्थात यदि आप ठंडे प्रदेश में हैं तो ठंडी तासीर वाला भोजन न करें। इसी प्रकार आप गरम प्रदेश में हैं तो शरीर में गरमी पैदा करने वाला भोजन न करें।
- यदि आपको 100 प्रतिशत भूख है तो आप भूख का 70 प्रतिशत भोजन करें, पूरा 100 प्रतिशत भोजन न करें।
- जब तक पहले खाया हुआ भोजन न पच जाए, तब तक दूसरा भोजन न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2918

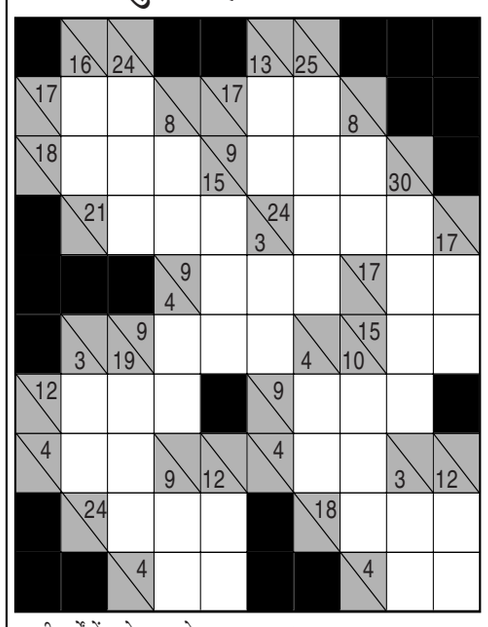

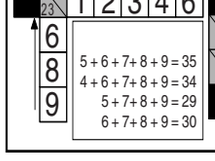

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23: 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2917 का हल

हंसी के फूव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'
'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'
'नहीं तो ?'
'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले,'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

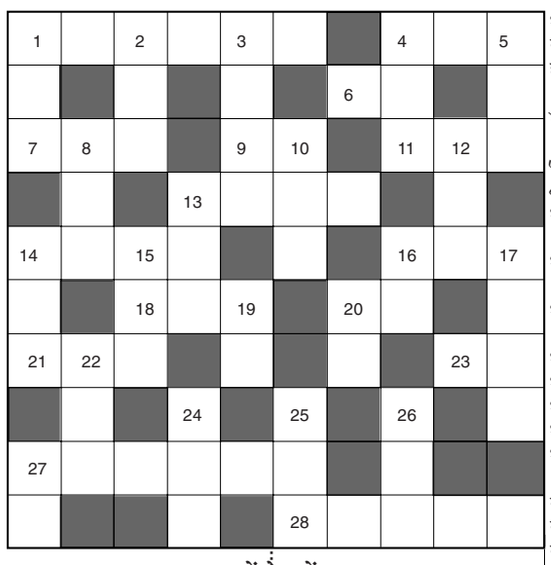

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला- जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 2918

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2917

सूडोकु -2918

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2917 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 2918

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -2917 का हल

मैं हमेशा प्यार में रहती हूं निहारिका रायजादा

अभिनेत्री निहारिका रायजादा ने खूबसूरत और हॉट जंगल फोटोशूट से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया, जिससे वह ब्लॉक की सबसे desired अभिनेत्रियों में से एक बन गईं, लेकिन उनकी डेटिंग प्राथमिकताएं और प्रेम की परिभाषा आपके दिल को छू जाएगी। लक्ज़मबर्ग में जन्मी और पली-बढ़े, एक योग्य हृदय रोग विशेषज्ञ, स्वाभाविक सुंदरता और नृत्य और गायन के प्रति एक स्वस्थ जुनून, निहारिका को भारत ले आए और कुछ ही समय में उन्होंने मसान, टोटल धमाल, सूर्यवंशी और आईबी 71 जैसी फिल्मों से अपने प्रशंसकों को लुभाया। अपने हालिया साक्षात्कार के दौरान, निहारिका ने अपनी लव लाइफ, डेटिंग सीन, डेटिंग प्राथमिकताएं और बहुत कुछ के बारे में बात की। प्यार के बारे में बात करते हुए निहारिका ने कहा, 'निहारिका रायजादा हमेशा प्यार में रहती हैं, मैं भी लगातार प्यार में हूं, मैंने पहले भी कहा है, ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब मैं प्यार में नहीं होती। अगर मैं किसी रिश्ते में नहीं हूं, तो मैं दिन के अंत तक यह सुनिश्चित कर लेती हूं कि किसी तरह मैं रिश्ते में हूं, मुझे लगता है कि हर किसी व्यक्ति को रिश्ता रखना चाहिए क्योंकि एक बार जब आप रिश्ते में होते हैं, तो आप हमेशा खुश रहते हैं, आप हमेशा अच्छा महसूस करते हैं और मैं उस तरह की व्यक्ति हूं जो हर समय खुश रहने की कोशिश करती है।' 'एक रिश्ता ज़रूरी है, और प्यार रोज़ होना चाहिए, हो सकता है कि यह लंबे समय तक न रहे, लेकिन आपको हमेशा फिर से प्यार ढूंढना होगा।' प्यार आपकी दिनचर्या में होना चाहिए, जिस तरह आप उठते हैं, अपने दांत ब्रश करते हैं, खाते हैं, उसी तरह आपको दैनिक आधार पर प्यार करना चाहिए卐 रायजादा ने कहा। जब निहारिका से उनकी डेटिंग प्राथमिकताओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लंबे लोग पसंद हैं, और वह धूम्रपान न करने वाला, शराब न पीने वाला और वो डोह द्यश्1द्वह्व होना चाहिए। मुझे बिल्ली प्रेमी विशेष रूप से भरोसेमंद नहीं लगते। मैं जानती हूं कि यह निर्णयात्मक लग सकता है, मेरे कुछ बिल्ली-प्रेमी मित्र हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं कभी किसी के साथ डेट कर पाऊंगा। वही उसका तरीका है। मुझे लगता है कि मेरे लिए आदर्श साथी एक हृदय रोग विशेषज्ञ होगा, जो गा सके' अपने टर्न-ऑन के बारे में बताते हुए, निहारिका ने कहा, 卐अगर कोई मुझे कुछ ऐसा सिखा सकता है जो मैं नहीं जानती, या नहीं कर सकती, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ा टर्न-ऑन है, मैं संस्कृत और हिंदी तेज़ गति से पढ़ने में उतनी अच्छी नहीं हूं, इसलिए अगर कोई मुझे कविता सुना सकता है और हिंदी नाटक पढ़ सकता है तो मैं इससे बहुत उत्साहित हो जाउंगी ।'

अली ने चित्रकार सलमान से शादी की अफवाहों को किया खारिज

पाकिस्तानी गायक अली सेठी ने न्यूयॉर्क स्थित चित्रकार सलमान तूर से शादी करने की अफवाहों पर विराम लगा दिया। अली ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की अटकलों पर चुप्पी तोड़ी। अली ने सलमान से न्यूयॉर्क में शादी करने के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, मैं शादीशुदा नहीं हूं। मुझे नहीं पता कि यह अफवाह किसने उड़ाई। लेकिन शायद उन्हें मेरी नई रिलीज-पानिया की मार्केटिंग में मदद करनी चाहिए। उन्होंने अपने नवीनतम गीत का एक लिंक जोड़ा। पत्रकार नजम सेठी और जुगनू मोहसिन के घर जन्मे अली ने 2009 में द विश मेकर नामक उपन्यास से अपने करियर की शुरुआत की।इसके बाद उन्होंने 2012 में फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने मीरा नायर की द रिलक्टेंट फंडामेंटलिस्ट के गाने दिल जलाने की बात करते हो से डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने लोकप्रिय ग़ज़लों के साथ-साथ पारंपरिक पंजाबी लोक गीत भी गाए। उन्होंने कई मौलिक संगीत भी प्रस्तुत किये हैं। उनके सबसे उल्लेखनीय गाने आक़ा, रंजिश ही सही, चैन किथन, गुलों में रंग और चांदनी रात है। कोक स्टूडियो के लिए उनका सिंगल पसूरी हिट हो गया और स्पॉटीफाई के वायरल 50 - ग्लोबल चार्ट में शामिल हो गया।

बातें कुछ अनकही सी में वंदना की एंट्री

टीआरपी लिस्ट में टीवी शोज अनुपमा से लेकर ये रिश्ता क्या कहलाता है तक का जलवा है। ऐसे में अब अनुपमा और अक्षरा ने वंदना का स्वागत किया है। बता दें कि वंदना, स्टार प्लस के नए शो बातें कुछ अनकही सी की लीड कैरेक्टर है। शो में मोहित मलिक और सायली सालुंखे लीड एक्टर्स हैं। स्टार प्लस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में बातें कुछ अनकही सी गाने पर अनुपमा और अक्षरा डांस करती दिख रही हैं। इसके बाद वंदना की एंट्री होती है और तीनों बातें करती हैं। ये दोनों वंदना का बेहद प्यार से स्वागत करती दिख रही हैं। बातें कुछ अनकही सी एक मेलोडी से भरा शो होगा। यह अनुपमा और अक्षरा का वंदना के स्वागत का तरीका है, जो सभी को पसंद आ रहा है। यह पहली बार है जब दर्शकों को अनुपमा, अक्षरा और वंदना को एक साथ स्क्रीन पर देखने का मौका मिलेगा। सोशल मीडिया यूजर्स तीनों को साथ में देखने के लिए काफी एक्साइटिड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजन शाही द्वारा निर्मित यह शो उनके सभी शोज से अलग है।

'ड्रीम गर्ल 2' से रिप्लेस करने पर छलका नुसरत भरुचा का दर्द

साल 2019 में रिलीज हुई आयुष्मान खुराना और नुसरत भरुचा की फिल्म 'ड्रीम गर्ल' को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता मिली थी। वहीं अब मेकर्स इस फिल्म का सीक्वल 'ड्रीम गर्ल 2' लेकर आ रहे हैं। 'ड्रीम गर्ल 2' में आयुष्मान के साथ अनन्या पांडे अहम किरदार में नरज आने वाली हैं। हाल ही में नुसरत भरुचा ने 'ड्रीम गर्ल 2' का हिस्सा नहीं बनने पर अपना रिएक्शन दिया है। नुसरत को इस बात का दुख है कि उन्हें 'ड्रीम गर्ल 2' में कास्ट नहीं किया गया। जबकि वह फिल्म के पहले पार्ट यानी 'ड्रीम गर्ल' का हिस्सा थीं। ईटाइम्स संग बात करते हुए नुसरत ने कहा, मैं 'ड्रीम गर्ल' का हिस्सा थी और मैं पूरी टीम से बहुत प्यार करती हूं। मैं उनके साथ काम करना बुरी तरह मिस करती हूं। नुसरत ने कहा, लेकिन मुझे 'ड्रीम गर्ल 2' में क्यों कास्ट नहीं किया, इसका जवाब वही लोग दे सकते हैं। मुझे नहीं पता। कोई लॉजिक भी नहीं है और कोई जवाब भी नहीं है। लेकिन उन्होंने मुझे कास्ट क्यों नहीं किया? मैं भी इंसान हूं, तो जाहिर है दुख तो होता है। और हां, यह नाइंसाफी है। लेकिन मैं समझती हूं। ये उनका फैसला है। कोई बात नहीं। नुसरत की फिल्म 'अकेली' की बॉक्स ऑफिस पर 'ड्रीम गर्ल 2' से टक्कर होने वाली है। इस पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि मेरी फिल्म उसी दिन रिलीज होने वाली है, जिस दिन 'ड्रीम गर्ल 2' रिलीज होगी। पहले मेरी फिल्म 'अकेली' 18 अगस्त को रिलीज हो रही थी, लेकिन कुछ सेंसर इशूज के कारण हमें परमिशन नहीं मिली और इसलिए रिलीज में देरी हुई।

करोड़ों की मालकिन कृति सेनन रहती हैं किराए के घर में

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन 27 जुलाई को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। कृति ने अपनी शानदार एक्टिंग फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। कृति भले ही अपनी फिल्मों से लाखों रुपए कमाती हैं, लेकिन क्या आपकों पता है वह अभी भी मुंबई में किराए के घर रहती हैं। कृति सेनन बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की किराएदार है। कृति अमिताभ के अंधेरी इलाके वाला ड्युप्लेक्स फ्लैट में किराए से रहती हैं। इस फ्लैट में रहने के लिए कृति सेनन ने दो साल के लिए एग्रीमेंट साइन किया है। खबरों के अनुसार यह एग्रीमेंट अक्टूबर 2021 से अक्टूबर 2023 तक के लिए हैं। अमिताभ ने इस फ्लैट को अप्रैल 2021 में 31 करोड़ से ज्यादा की कीमत में खरीदा था। यह डुप्लेक्स फ्लैट अंधरी वेस्ट की अटलांटिस बिल्डिंग में 27वें और 28वें फ्लोर पर है। कृति सेनन के इस फ्लैट का एक महीने का किराया 10 लाख रुपए हैं और इसके साथ 4 कारों के लिए पार्किंग स्पेश है। इस फ्लैट के लिए कृति भारी-भरकम सिक्योरिटी मनी चुकाई है। भले ही कृति सेनन किराए के घर में रहती हैं लेकिन वह 29 करोड़ की संपति की मालकिन हैं। Caknowledge की रिपोर्ट के अनुसार कृति की सबसे ज्यादा कमाई एक्टिंग और ब्रांड एंडोर्समेंट से होती हैं। वह एक फिल्म के लगभग 2 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं। कृति सेनन ने अपने करियर की शुरुआत तेलुगू फिल्म से की थी। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू नजर आए थे। कृति ने फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। वह मिमी, बरेली की बर्फी और लुका छुपी जैसी कई हिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011